चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 299, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 29 नवंबर 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

तेलंगाना विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान थमा, 30 नवंबर को मतदान

हैदराबाद/ एजेंसी। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम 05 बजे समाप्त हो गया। चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी।

तेलंगाना विधानसभा की 119 सीटों के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा और 03 दिसंबर को मतों की गणना होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज के मुताबिक 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए राज्य के 1,58,71,483 पुरुष और 1,58,43,339 महिला मतदाताओं के साथ 2,557 ट्रांसजेंडर वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में 2,290 उम्मीदवार मैदान में हैं।

राजधानी हैदराबाद में पिछले चुनावों में हुए मतदान प्रतिशत की कमी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष रूप से काम कर रहा है। हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी व जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोस ने कहा कि जो भी नए मतदाता पंजीकृत हुए हैं, उन्हें मताधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता हेल्पलाइन ऐप या टोल फ्री नंबर 1950 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। गूगल मैप के जरिए अपने मतदान केंद्रों के पते का रूट मैप जान सकते हैं।

चुनाव आयोग के अनुसार 2.5 लाख से ज्यादा कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। चुनाव ड्यूटी पर तेलंगाना पुलिस के 45,000 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। पड़ोसी राज्यों से कुल 23,500 होमगार्ड जवानों की मांग की गई थी, जिनके जल्द ही पहुँचने की उम्मीद है।

राज्य विशेष पुलिस की 50 कंपनियाँ तथा केंद्रीय बलों की 375 कंपनियाँ मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगी। उन्होंने कहा कि 26,660 मतदाताओं ने होम वोटिंग सुविधा के माध्यम से अपने मताधिकार का को प्रयोग किया।

भाजपा तय कर रही है एमआईएम उम्मीदवार: राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नामपल्ली में आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा तय कर रही है कि एमआईएम उम्मीदवार को किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए।

उन्होंने भाजपा और बीआरएस की कड़ी आलोचना की करते हुए कहा कि एमआईएम कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के इरादे से चुनाव लड़ रही है।

उन्होंने कहा, "एमआईएम उम्मीदवार वहीं चुनाव लड़ेंगे जहां भाजपा ने कहा है। उन्होंने कांग्रेस की विरोधी पार्टियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया।

सुरंग से बाहर निकाले गए सभी 41 मजदूर, मुख्यमंत्री धामी रहे मौजूद

सिलक्यारा सुरंग आपरेशन : भावुक कर देनी वाली सफलता; मजदूर, उनके परिवार और बचाने वालों को पीएम मोदी का सलाम

सिलक्यारा/ एजेंसी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन की जद्दोजहद के बाद आखिरकार अंदर फंसे 41 मजदूरों ने जिदंगी की जंग जीत ली। इस बीच जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए थे। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद रहे ।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों और रेस्क्यू अभियान में जुटे हुए कर्मियों के मनोबल और साहस की जमकर सराहना की। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह (से.नि) भी मौजूद हैं। बाहर निकाले जा रहे श्रमिकों के परिजन भी हैं टनल में मौजूद।

रेस्क्यू आपरेशन में जुटे अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अब टनल से बाहर निकाले गए श्रमिकों की प्रारंभिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण टनल में बने अस्थाई मेडिकल कैंप में किया जा रहा है।

उधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कार सिंह धामी से बात की और बचाव कार्यों का अपडेट लिया। सीके बाद पीएम मोदी ने बधाई दी है। पीएम मोदी ने लिखा, 'उत्तरकाशी में हमारे श्रमिक भाइयों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है। टनल में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। यह अत्यंत संतोष की बात है कि लंबे इंतजार के बाद अब हमारे ये साथी अपने प्रियजनों से मिलेंगे। इन सभी के परिजनों ने भी इस चुनौतीपूर्ण समय में जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए वो कम है। मैं इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं। उनकी बहादुरी और संकल्प-शक्ति ने हमारे श्रमिक भाइयों को नया जीवन दिया है। इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है।'

बता दें कि मजदूरों को टनल से बाहर निकालने के बाद अस्पताल भेजा जा रहा है।

सुरंग में भरे मलबे को भेद कर 800 एमएम की पाइप भीतर फंसे लोगों के पास पहुंच गई। इस पाइप टनल से मंगलवार रात 7.15 बजे से मजदूरों को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ। अभूतपूर्व अभियान के बाद

इन्हें सकुशल बाहर निकाला गया। मलबे से बंद सुरंग में चार और छह इंच के पाइप के जरिए मिल रही ऑक्सीजन और भोजन के भरोसे जी रहे मजदूरों को अंदर 398 घंटे से ज्यादा वक्त बिताना पड़ा।

मंगलवार दोपहर करीब एक बजे जैसे ही पाइप टनल के मलबे के पार होने की सूचना मिली, पूरे सिलक्यारा में उत्सव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही सीएम पुष्कर सिंह धामी भी दोबारा उत्तरकाशी पहुंच गए। वह सुबह भी सीएम सिलक्यारा गए थे और वहां बाबा बौखनाथ से सभी को सकुशल बाहर निकालने का आशीर्वाद मांगा था। पाइप टनल बनने के फौरन बाद सुरंग में नौ बेड का अस्थायी अस्पताल तैयार कर दिया गया था। देर शाम को जैसे की पहला मजदूर पाइप टनल के रास्ते बाहर निकाला सीएम धामी ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

अंतिम क्षणों में फिर आई बाधा

रेस्क्यू ऑपरेशन के अंतिम क्षणों में मलबे के रूप में एक बार फिर से बाधा आने से चार घंटे से ज्यादा वक्त तक काम रोकना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, पाइप टनल बनाने की वजह से वहां दोबारा मलबा आने लगा था। मलबे की सफाई के बाद भीतर फंसे लोगों को पाइप टलन तक लाने के लिए प्लेटफार्म तैयार करना पड़ा। रात करीब सवा सात बजे प्लेटफार्म और पाइप की वेल्डिंग का काम पूरा होने के बाद मजदूरों को बाहर निकाला जाने लगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं दोबारा टनल में जाकर मजदूरों को स्वागत किया। इससे पहले उन्होंने सुरंग में दोबारा जाने से पहले बाबा बौखनाग का आशीर्वाद लिया था। उनके साथ केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह (सेनि.द्ध) भी मौजूद थे।

12 नवंबर को दिवाली के दिन फंसे थे

12 नवंबर को दिवाली के त्योहार की सुबह पांच बजे के करीब भूस्खलन की वजह से 41 मजदूर सुरंग के भीतर फंस गए थे। तब से उन्हें बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान चल रहा था। कई मजदूरों के परिजन भी सिलक्यारा पहुंच गए थे। पीएमओ लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन पर निगाह बनाए हुए था। पीएमओ के अधिकारियों की टीम पिछले कई दिनों से यहां कैंप किए हुए थी।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री धामी को फोन कर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिल्कयारा में सभी 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाले जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन करके अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान श्रमिकों के बारे में मुख्यमंत्री से जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री से जाना कि सुरंग से निकालने के बाद श्रमिकों के स्वास्थ्य देखभाल, घर छोड़ने एवं परिजनों आदि के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि सभी श्रमिकों को सुरंग से निकलने के बाद सीधे चिन्यालीसौड़ स्थित अस्पताल ले जाया गया है। जहां उनकी जरूरी स्वास्थ्य जांच आदि की जाएंगी। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के परिजनों को भी फिलहाल चिन्यालीसौड़ ले जाया गया है। जहां से उनकी सुविधा के अनुसार राज्य सरकार उनको घर छोड़ने की पूरी व्यवस्था करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन के चलते ही यह रेस्क्यू अभियान सफलतापूर्वक सफल हो सका है। केन्द्र सरकार की तमाम एजेंसियों व राज्य सरकार के समन्वय से हम 41 श्रमिकों को सकुशल सुरक्षित निकालने में कामयाब रहे हैं।

धामी सरकार सुरंग में फंसे श्रमिकों को एक-एक लाख की देगी आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को सरकार एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके अलावा अस्पताल में इलाज और घर जाने तक की पूरी व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बौख नाग देवता का सिलक्यारा में भव्य मंदिर बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सिलक्यारा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में इलाज पर होने वाला खर्चा सरकार उठाएगी। इनके अलावा परिजनों और श्रमिकों के खाने, रहने की भी व्यवस्था सरकार कर रही है।

देवदूत बन 41 जिंदगियां बचाने वाली रेस्क्यू टीम को देवभूमिवासियों का आभार : महेंद्र भट्ट

देहरादून/एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भगवान बौखनाग के आशीर्वाद से 41 श्रमिकों की सुरक्षित निकासी के लिए प्रदेशवासियों की तरफ से पूरी रेस्क्यू टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने प्रसन्नता जताई कि जिंदगी बचाने की इस मुहिम में 140 करोड़ भारतीयों की प्रार्थना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री गडकरी एवं मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में विशेषज्ञों और आपदा प्रबंधन टीम की अविश्वसनीय कोशिशें आखिरकार रंग लाई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 17 दिनों से जिस तरह घटनास्थल पर बचाव टीम की ओर से लगातार 24 घंटे काम किया गया। वह श्रम और तकनीकी कोशिशों

की पराकाष्ठा थी। बेहद खुशी की बात है कि एनडीआरएफ, डीआरडीओ, ओएनजीसी, टीएचडीसी समेत देश विदेश के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थाओं और उनके विशेषज्ञों की जीतोड़ मेहनत और देशवासियों की प्रार्थना सफल हुई हैं। स्वयं मुख्यमंत्री धामी का मौके पर कैंप कर, बार-बार मौके पर पहुंचकर व अन्य माध्यमों से लगातार मॉनिटरिंग करने और बचाव टीम का हौसला बढ़ाने का काम किया है। हमारी सरकार की शुरूआत से ही प्राथमिकता श्रमिकों को सुरक्षित निकाल कर उनके परिजनों के चेहरे की मुस्कान वापिस लाने की थी, जिसमें हम कामयाब हुए हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने समन्वय बनाकर दुनिया की हर वो तकनीक और विशेषज्ञता का इस अभियान में इस्तेमाल किया जिसकी वहां जरूरत थी। रेस्क्यू टीम को इस असंभव जीत का असल हीरो बताते हुए समस्त प्रदेशवासियों की तरफ से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कठिन समय में भी हौसले के साथ इस अभियान को सहयोग देने वाले पीड़ित परिजनों और मीडियाकर्मियों का भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन के लिए आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने की चुनाव आयोग से मुलाकात

नई दिल्ली/ ब्यूरो। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को विभिन्न मुद्दों पर चुनाव आयोग से मिला और उनके समक्ष अपना पक्ष रखा। कांग्रेस ने भाजपा नेताओं के बयानों, बीआरएस के कैंपेन और मध्य प्रदेश में बैलट पेपर से कथित छेड़छाड़ का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी नेता सलमान खुर्शीद और अभिषेक मनु सिंघवी शामिल थे। सिंघवी ने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री ने हाल ही में चुनावों के दौरान ऐसे बयान दिये हैं, जिन पर तुरंत आदर्श

आचार संहिता के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। उनसे कमतर बयानों पर चुनाव आयोग कार्रवाई कर चुका है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रचार थमने के बाद भी विभिन्न तरीकों से प्रचार कर सकती है। पहले भी वे एमसीसी का उल्लंघन करती रही है। उनके नेता पिंक रंग की साड़ी या कपड़े पहन प्रचार कर सकते हैं। हमने चुनाव आयोग से इस संदर्भ में विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है।

सिंघवी ने आगे कहा कि मध्य प्रदेश में बालाघाट जिले में जिला चुनाव अधिकारी द्वारा बैलेट पेपर से छेड़छाड़ करने के वीडियो सामने आए हैं। हमने उन्हें आयोग के साथ साझा किया है और इस संबंध में कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि अभी भी तीन दिन का समय बचा है। उन्हें आशा है कि चुनाव आयोग कांग्रेस की मांगों पर ध्यान देगा।

छुट्टियों में कटौती पर भाजपा कांग्रेस का बवाल, कटौती पर विचार करेंगे सीएम नीतीश

पटना/ एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में छुट्टी का कैलेंडर जारी होने होने पर उठे विवाद के बाद सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने जवाब दिया है। बीजेपी का आरोप है कि जानबूझकर नीतीश कुमार की सरकार ने हिंदू त्योहारों की छुट्टियों में कटौती कर दी है।

जबकि तुष्टिकरण की नीति के तहत मुस्लिम त्योहारों पर छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। नीतीश कुमार के करीबी मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि सीएम इस पर पुनर्विचार करेंगे। इधर महागठबंधन में सहयोगी कांग्रेस प्रवक्ता ने सरकार के फैसले से नाराजगी जताई है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने इसका विरोध भी दर्ज कराया है।

भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि आज 2024 के कैलेंडर को देखा। इसमें छुट्टियों की घोषणा की गई है। त्योहारों को लेकर छुट्टियों पर अपर मुख्य सचिव केके पाठक या विभागीय मंत्री ने ध्यान से नहीं देखा होगा। अब इस मामले में मुख्यमंत्री हस्तक्षेप करेंगे। उन्होंने कहा है कि जैसे ही यह मामला सीएम के संज्ञान में आएगा, वे इस पर अवश्य पुनर्विचार करेंगे। अशोक चौधरी ने कहा कि राज्य की बड़ी आबादी की भावना को आहत नहीं किया जा सकता। इसके साथ देखा जाएगा कि किसी को कोई नुकसान भी नहीं हो। इससे पहले भी सुधार हुआ था, जरूरत पड़ी तो इस बार भी सुधार किया जाएगा।

इसके साथ ही अशोक चौधरी ने कहा कि आरटीई का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। ध्यान रखा जाएगा कि स्कूलों में कम से कम 220 दिन की पढ़ाई सुनिश्चित की जाए। इसके आधार पर ही विभाग द्वारा कैलेंडर जारी किए जाते हैं। सभी चीजों पर विचार करके फैसला लिया जाएगा।

लोगों को कानूनी सहायता दिलाने में मदद के लिए जागरुकता अभियान की जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/ ब्यूरो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि लोगों के बीच जागरुकता अभियान चलाने की जरूरत है ताकि न केवल उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके, बल्कि जरूरत पड़ने पर उन्हें कानूनी सहायता दिलाने में भी मदद की जा सके।

उन्होंने कहा कि इस तरह के जागरुकता अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों और सामाजिक रूप से वंचित समूहों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि इस धारणा को दूर किया जा सके कि न्याय अमीरों के लिए होता है। राष्ट्रपति मुर्मू मंगलवार को नई

दिल्ली में 'कानूनी सहायता तक पहुंच: वैश्विक दक्षिण में न्याय तक पहुंच को मजबूत करना' विषय पर पहले दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय किशन कौल और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक कानूनी सहायता पहुंचाना किसी भी आधुनिक राज्य की आधारशिला है। यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो न्यायसंगत, उचित और विश्वास के योग्य हो। इस सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के 69 अफ्रीका-एशिया-प्रशांत देशों की भागीदारी न्याय और समानता की हमारी सामूहिक खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

नितिन गडकरी ने ली राहत की सांस, कहा- अब तक का सबसे बड़ा बचाव अभियान, जताया आभार

नई दिल्ली/ब्यूरो।

उत्तरकाशी में निमार्णाधीन सिलक्यारा सुरंग में 12 नवम्बर से फंसे 41 मजदूरों के सकुशल बचकर बाहर आने पर केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राहत की सांस ली है। सभी के सकुशल बाहर आते ही उन्होंने अपनी खुशी का इजहार सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर किया। उन्होंने लिखा, ह्यमैं पूरी तरह से राहत महसूस कर रहा हूं और खुश हूं क्योंकि सिलक्यारा सुरंग में हुए धंसान में फंसे 41 मजदूरों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है।द्ध उन्होंने आगे लिखा कि यह कई एजेंसियों द्वारा हाल के वर्षों में संयुक्त रूप से किया गया सबसे महत्वपूर्ण बचाव कार्यों में से एक था। विभिन्न विभागों और एजेंसियों ने कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद एक-दूसरे के पूरक बने। सभी के अथक और ईमानदार प्रयासों, सभी से प्रार्थना के साथ मिलकर, इस ऑपरेशन को संभव बना दिया है।

महात्मा गांधी महापुरुष, नरेंद्र मोदी इस शताब्दी के युग पुरुष : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/ ब्यूरो। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को महापुरुष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युग पुरुष बताया। उन्होंने कहा कि गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा से हमें अंग्रेजों की गुलामी से छुटकाया दिलाया था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी देश को उस रास्ते पर लाए हैं, जिस पर हम सदियों से देश को देखना चाहते थे।

धनखड़ ने कहा कि महात्मा गांधी पिछली शताब्दी के महापुरुष थे और नरेंद्र मोदी इस शताब्दी के युग पुरुष हैं। वह जैन दार्शनिक श्रीमद राजचंद्र जयंती 'आत्मकल्याण दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में एक समानता है कि ये दोनों ही श्रीमद राजचंद्र का हृदय से सम्मान करते हैं।

राजचंद्र जितना महत्वपूर्ण व्यक्तित्व इतिहास में मिलना मुश्किल है। श्रीमद राजचंद्र मिशन लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बना रहे हैं, लोगों का जीवन बदल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से महापुरुषों की जननी रहा है। भारत विश्व संस्कृति का केंद्र है। भारत की सभ्यता 5000 वर्षों से भी प्राचीन है। दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जिसकी सभ्यता इतनी प्राचीन और समृद्ध हो जितना कि हमारे देश की। उन्होंने कहा कि आज के दिन की खासियत देखिए श्रीमद् राजचंद्र की जयंती, कार्तिक पूर्णिमा और प्रकाश पर्व इन तीनों का एक दिन पर मिलन हमारी सांस्कृतिक गहराई को इंगित करता है।

शांति की खोज में हमारे देश आते हैं दुनिया के लोग

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी ताकत हमारा आध्यात्मिक ज्ञान और संस्कृति है। दुनिया के महान देशों के लोग शांति की खोज में हमारे देश में आते हैं और यह देखकर बहुत सुकून मिलता है।

भारत सदियों से संस्कृति और सभ्यतागत लोकाचार का केंद्र बिंदु रहा है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी सिर्फ मनुष्य मात्र के लिए नहीं है। यह धरा सभी प्राणियों के लिए है। वसुधैव कुटुंबकम का ध्येय वाक्य एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य इसे आत्मसात करता है।

भारत प्रतिभाशाली देश

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा उन्हें उनका अधिकार मिलेगा। पीएम मोदी ने बहुत महान काम किया है, अमृत काल में उन सब लोगों को ढूंढ निकला है जिन लोगों ने देश की आजादी के लिए त्याग और बलिदान किया। भारत की दुनिया में आज एक अलग पहचान है। भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला एक प्रतिभाशाली देश है।

शिक्षा, समानता और अच्छे व्यवहार से देश में बदलाव

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि देश में बदलाव शिक्षा, समानता और अच्छे व्यवहार से आता है। यदि सड़क पर हमारा आचरण कानून के अनुरूप होगा तो दुनिया देखेगी कि भारत बदल गया है। मुंबई शहर सड़कों पर अपने अनुशासन के लिए जाना जाता है।

पशु आरोग्य शिविर में 1250 पशुओं का हुआ उपचार

समहन गांव में पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर आयोजित

अखंड भारत संदेश

मेजा। विकास खंड उरुवा के ग्राम पंचायत समहन गांव में डा बैजनाथ प्रजापति के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ ग्राम प्रधान संतोष कुमार पटेल उर्फ तौलन पटेल ने फीता काटकर किया। शिविर में कुल 1250 पशुओं का निःशुल्क उपचार किया गया साथ ही साथ पशुपालकों को ठंड से पशुओं को बचाने के लिए जागरूक किया गया।

उल्लेखनीय है कि शिविर में उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा आर पी सिंह ने जहां उपस्थित पशुपालकों को जागरूक करते हुए खुरपका एवं मुहपका टीकाकरण से सबंधित जानकारी दिया वहीं मेजरोड पशु अस्पताल के पशुचिकित्साधिकारी डा बैजनाथ प्रजापति द्वारा बांझपन के कारण एवं उसके निवारण के सबंध में पशुपालकों को विस्तार जानकारियां दी गई और इस ठंड में पशुओं को बचाने के लिए जागरूक किया गया। पशु चिकित्साधिकारी डा प्रजापति ने बताया कि शिविर में बड़े एवं छोटे पशुओं को मिलाकर कुल 1250 पशुओं का विभिन्न रोगों से संबंधित निःशुल्क उपचार एवं दवा वितरण किया गया इसके अलावा पशुधन बीमा एवं मुख्यमंत्री गोपालक प्रोत्साहन योजना के तहत निःशुल्क टीकाकरण सेक्स सार्टेड सीमेन आदि विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी पशुपालकों को दी गई। इस मौके पर श्याम बहादुर यादव सूरज बाबू राकेश कुमार ओम प्रकाश मिश्रा सौरभ पांडेय प्रियांशु यादव शिखर दीप सिंह बलराम मुलायम लवकुश मुख्य रूप से मौजूद रहे शिविर का संचालन मनोज कुमार यादव ने किया।

कुर्की कला में निःशुल्क पशु आरोग्य शिविर मेला आज

मेजा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर मेला का आयोजन 29 नवंबर को विकास खंड मेजा के कुर्की कला गांव में किया गया है। उक्त आशय की जानकारी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा आर पी सिंह ने देते हुए बताया कि पशु शिविर मेले में पशु रोग संबंधी जानकारियां एवं दवाइयों का वितरण किया जाएगा साथ ही साथ पशुओं को रोगों से बचाव हेतु पशु वैज्ञानिकों द्वारा विशेष जानकारियां दी जाएगी और पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा। डा सिंह ने बताया कि शिविर मेले में योग्य पशु चिकित्सक डा बैजनाथ प्रजापति मेजरोड डा पी के मिश्रा मेजा खास एवं सभी पशुधन प्रसार अधिकारी तथा क्षेत्रीय पैरावेट मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

पुलिस कर्मियों ने मिशन शक्ति को लेकर छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

मांडा। मिशन शक्ति को लेकर मांडा खास के उच्च प्राथमिक विद्यालय में नारी सुरक्षा दल द्वारा विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान प्रदेश सरकार द्वारा नारी शक्ति के बारे में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। थाना मांडा एसआई शहनवाज आलम ने सरकार की योजनाएं के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि अगर कोई मनचला लड़का या कोई भी व्यक्ति आपको वेबजह परेशान करता है तो बिल्कुल भी घबराए नहीं, तुरंत अपने विद्यालय व 112 डायल व 1090 पर सूचना दे। जानकारी मिलते ही कार्यवाही की जाएगी और आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा। उन्होंने ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान को लेकर महिलाओं एवं छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। इस मौके पर महिला कांस्टेबल खुशबु तिवारी,व विद्यालय के प्रधानाचार्य होरी लाल, नीरज द्विवेदी, अवधेश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय आरोग्य शिविर एवं गोष्ठी का आयोजन

जसरा। विकास खंड जसरा के ग्राम पंचायत कांटी का मेरा नारायण का डेरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आरोग्य शिविर एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पशु चिकित्साधिकारी डा०एस बी सिंह द्वारा गौपूजन के बाद शुरू किया गया। पशु चिकित्साधिकारी डा०एस बी सिंह ने वैज्ञानिक विधि से पशुपालकों को पशुपालन करने की विधि बताया। कहा किसान अच्छी नस्ल का चुनाव, पशुधन बीमा, टीकाकरण, सहभागिता योजना,कृमि नाशक दवा पान, गर्भावस्था में पशुओं की देखभाल, पशुओं के पोषण, पशुओं को ठंड से बचाव,अपने गोवंशीय पशुओं को छुट्टा/निराश्रित नहीं छोड़ने के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया।डा सिंह ने बताया कि पशुओं में विशेष रूप से गलाघोंटू, खुरपका, मुंहपका,पीपीआर, रैबीज,लंगड़िया बुखार,सर्रा की बीमारी व उनके टीकाकरण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। शिविर में सबसे अधिक संख्या में भेंड़ पालकों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग कर कृमि नाशक दवा प्राप्त किया। शिविर में 285 बड़े पशु व 890 छोटे पशुओं को कृमि नाशक दवा व चिकित्सा उपचार किया गया। शिविर में फार्मासिस्ट ज्ञान सिंह,राम अचल पाल,रोशन लाल यादव, अभयराज सिंह, अमरजीत, आनंद, अजीत पाल, गिरिजा शंकर,विजय शंकर यादव, कृष्ण बली सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

विद्यालय में हुआ बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

करछना। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर में पहुंची सीएससी करछना की टीम ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सकों की टीम द्वारा बच्चों का वजन,लम्बाई,आंख की रोशनी,शारीरिक का स्वस्थ्यता आदि का परीक्षण किया गया।साथ ही कई सुझाव भी दिया गया।डॉ.ज्ञान देव मिश्रा ने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए बच्चों को पठन-पाठन के साथ-साथ अपनी शारीरिक स्वस्थ्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की दिक्कत की स्थिति में सुयोग्य डाक्टर से परामर्श परीक्षण कराना जरूरी है। इस दौरान कक्षा से 6 7 8 9 और 10 के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने परीक्षण हेतु आई डॉक्टरों की टीम के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। डॉक्टरों की टीम में डॉक्टर आर.सी फरीद,प्रतिभा कांत देववंशी मौजूद रहे।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान बच्चों ने किया पौराणिक स्थलों का दर्शन

प्रयागराज। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या स्थित ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों का दर्शन करने पहुंचे महावीर पब्लिक स्कूल सराय इनायत अबुसा के बच्चों ने पुण्य लाभ अर्जित करने के साथ-साथ कई जरूरी जानकारियां भी हासिल की। इस दौरान कई दिवसीय भ्रमण के बीच देव दीपावली पर छात्र और छात्राओं ने दिये भी जलाए। बच्चों ने राम जन्मभूमि,कनक भवन,रंग महल हनुमानगढ़ी,नंदीग्राम आदि पौराणिक महत्व के स्थलों का साक्षात दर्शन करते हुए अपने अतीत और विरासतों के बारे में शिक्षकों से कई जानकारियां भी हासिल की। सायंकाल सरयू आरती का भी भव्य नजारा बच्चों ने देखा और साथ ही रामलाल का दर्शन करने के साथ-साथ कई ऐतिहासिक स्थलों का चित्र संकलित करते हुए जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर सीआरपीएफ कमांडेन्ट जे.बी.सिंह द्वारा युवाओं को संबोधित करते हुए बच्चों को राष्ट्र के प्रति समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाने के साथ-साथ उनके सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था की गई। भ्रमण के दौरान बच्चों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा देश की सुरक्षा को लेकर उनके शौर्य और पुलिस बल की हौसला अफजाई करते हुए भारत माता और जय श्री राम का उद्घोष भी किया। इस मौके पर बृजेश श्रीमुख,किरण तिवारी,सत्यम श्रीवास्तव, सुशील शुक्ला,आशुतोष मिश्रा संजय बिंद,अनुराग पांडेय,विनोद बिंद,सर्वेश पांडेय,विमल यादव, अगम मेहरोत्रा,कुलदीप दुबे,श्रेया सिंह,अंकित,विनीता,पूर्णिमा,नवीन आदि शिक्षक कर्मचारी और सैकड़ों बच्चे मौजूद रहे।

महावीर कैलाश महाविद्यालय में प्रथम दिन 840 छात्रों ने दी परीक्षा

मांडा। प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय की मंगलवार से शुरू हो गई है। वहीं मांडा क्षेत्र अंतर्गत कोरांव मुख्य मार्ग पर स्थित महावीर कैलाश महाविद्यालय कोसड़ा कला में परीक्षा के प्रथम दिन बीए व बीएससी (एजी) के 840 छात्रों ने परीक्षा दी। महावीर कैलाश महाविद्यालय के निदेशक डॉ रवि शंकर पांडेय ने बताया कि पण्डित रामा नन्द महाविद्यालय व आरबीएस महाविद्यालय मेजा के छात्रों का परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। तथा महावीर कैलाश महाविद्यालय के छात्र छात्राओं की परीक्षा सेल्फ हैं। ऐसे ही बाबू फतेह बहादुर सिंह डिग्री कालेजों के छात्र छात्राओं की परीक्षा कराने के लिए विश्वविद्यालय ने हरी झंडी दे दिया हैं। वहीं प्रबन्धतन्त्र की मनमानी रवैए से छात्र- छात्राए परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

वीपी सिंह की 17वीं पुण्यतिथि पर किया गया माल्यार्पण

मांडा। पूर्व प्रधानमंत्री एवं राजा मांडा विश्वनाथ प्रताप सिंह की 17 वीं पुण्यतिथि पर मांडा राजमहल व मांडवी देवी धाम में मौजूद लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे दलितों, शोषितों, मजलूमों के मसीहा थे । सिद्ध पीठ मां मांडवी देवी धाम मांडा खास परिसर में स्थित उनके चित्र पर अरुण कुमार सिंह एडवोकेट व राजमहल मांडा के प्रबंधक सुशील सिंह सहित तमाम लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

पढ़े लिखे आत्मनिर्भर दिव्यांग समाज में हैं एक रोल माडल : विमल किशोर

ब्लाक संसाधन मेजा में दिव्यांग छात्रों एवं अभिभावकों की काउंसिलिंग आयोजित

मेजा। मेजा ब्लॉक संसाधन केंद्र में समेकित शिक्षा के अंतर्गत परिषदीय स्कूलों में अध्यनरत दिव्यांग छात्रों व अभिभावकों की काउंसलिंग आयोजित की गई। जिसमे मुख्य अतिथि के तौर ए सी पी मेजा विमल किशोर मिश्र ने कहा कि हम सब के बीच कई ऐसे दिव्यांग है जो आज पढ़ लिखकर पूरी तरीके से आत्मनिर्भर है और समाज में एक रोल मॉडल के रूप में मौजूद है जिसका उदाहरण इसी जनपद में कुछ वर्ष पहले जिलाधिकारी के रूप में सुहास एलवाई से ले सकते है जो एक अधिकारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी है जिनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है । उन्होंने कहा की आज कई सरकारी और सामाजिक संगठन भी दिव्यांगो की शिक्षा व स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए आवश्यक संसाधन मुहैया करा रही है जरूरत इस बात की इन बच्चो की देखभाल विशेष रूप से करे इन्हे पढ़ने का भरपूर अवसर प्रदान करे । बैठक का शुभारंभ ए सी पी मेजा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। मौजूद दिव्यांग छात्रों को सम्मानित किया तथा दिव्यांग छात्रों को मेडिकल सर्टिफिकेट भी दिया गया। शिविर में उपस्थित शासकीय अधिवक्ता अभिषेक तिवारी ने कहा की दिव्यांगता अभिशाप नही है जगदगुरू रामभद्राचार्य जी आंख न होने के बावजूद अपनी विद्वता से पूजनीय है प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा की दिव्यांग 52 छात्रों को मेडिकल सर्टिफिकेट, 11 छात्रों को 6000 की एस्कॉर्ट एलाउंस 22 छात्रों को 2000 की दर से स्टाइपेंड 11 को आवश्यक उपकरण प्रदान हुए है।आई टी शिक्षक अजीत मिश्र ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।बैठक में मंत्री हसीब सिद्दीकी, अनीता वर्मा,धर्मचंद्र गुप्ता हंसराज पाल,विनय द्विवेदी,अरुण कुमार,धीरज कुमार शैलेंद्र शुक्ल 52 अभिभावक उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समाज ने विश्व हिन्दू परिषद संगठन मंत्री को दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

सिरसा। भाजपा नेत्री गीता विश्वकर्मा क्षेत्रीय मंत्री महिला मोर्चा काशी प्रान्त भारतीय जनता पार्टी और सामाजिक चेतना मिशन एवं मीडिया प्रभारी विनोद विश्वकर्मा के नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद संगठन मंत्री अंशुमान जी को एक ज्ञापन दिया गया।प्रयागराज 24 नवम्बर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय मंत्री गीता विश्वकर्मा महिला मोर्चा काशी प्रान्त प्रयागराज की अध्यक्षता में श्री हरिकेश विश्वकर्मा कन्डक्टर उ०प्र० सड़क परिवहन निगम पर दिनांक 24 नवम्बर को हुए कातिलाना हमला के सम्बन्ध में समाज के प्रतिष्ठित लोगों की एक अति आवश्यक बैठक हुई। जिमसें उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने यह मांग किया कि-

1- हरिकेश विश्वकर्मा के परिवार का 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता शासन द्वारा दिया जाये।

2- हरिकेश विश्वकर्मा को परिवहन निगम में स्थायी नौकरी प्रदान किया जाये।

3- हरिकेश विश्वकर्मा के परिवार को सुरक्षा प्रदान किया जाये। चूंकि हरिकेश विश्वकर्मा बहुत ही गरीब परिवार से है इसलिए आर्थिक सहायता प्रदान न की गयी तो उनका परिवार भुखमरी के कगार पर आ जायेगा और जीवन की सुरक्षा देना आवश्यक है। अपराधी अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठन से जुड़ा है। इसलिए उ०प्र० के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्य नाथ जी विनम्र आग्रह है कि विश्वकर्मा समाज के लोग मांग हैं की अपराधी को जल्द से जल्द व कड़ी से कड़ी सजा मिलना चाहिए और हरिकेश विश्वकर्मा को सरकारी सहायता दिया जाय व उनके परिवार को बचाया जा सके और सरकार द्वारा उन्हें न्याय प्रदान करने की कृपा की जाये। उक्त बैठक में निम्नलिखित लोग उपस्थित रहे रमाकांत विश्वकर्मा एडोकेट, शिव शंकर विश्वकर्मा, राजू विश्वकर्मा, सुमित विश्वकर्मा छात्र नेता विश्वविद्यालय, पीयूष विश्वकर्मा, शिव सागर विश्वकर्मा, जय प्रकाश विश्वकर्मा, सविता विश्वकर्मा पन्ना प्रमुख भाजपा आदि सैकड़ो की संख्या में विश्वकर्मा लोग उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीणों को दी गई अहम जानकारी

बारा। क्षेत्र के ग्राम जूही और ग्राम पंचायत पूरे बघेल में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत एक गोष्ठी का आयोजन ग्राम प्रधान दिनेश कुमार मिश्रा व ग्राम प्रधान दिवाकर सिंह की अध्यक्षता में आदर्श पंछी विहार अमृत सरोवर जूही पर किया गया। कार्यक्रम में कई विभाग के कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने अपने-अपने विभाग के बारे में ग्रामीणों को जानकारियां दी। इस दौरान आयुष्मान कार्ड योजना, पीएम किसान निधि, हर घर जल योजना, आवास योजना, इज्जत घर योजना, मनरेगा योजना, शिक्षा के प्रति जागरूकता, आत्मनिर्भर भारत आदि के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन ग्राम पंचायत अधिकारी आशुतोष जौहरी के द्वारा किया गया। इस दौरान शिक्षा विभाग से ऋषि प्रताप सिंह, शिक्षिका रीतू सक्सेना, कृषि विभाग से अनिल कुमार, रोजगार सेवक कमलेश सिंह व गणेश कुमार, पंचायत सहायक शैलेश जायसवाल व वर्षा सिंह, जल जीवन मिशन से केशव प्रसाद, सफाई कर्मी, एएनएम, आशा बहुएं, आंगनवाड़ी संचालिकाएं, कोटेदार एवं तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

एक मुश्त समाधान योजना का जल्द उठाएं लाभः एसडीओ विमल यादव

बारा। यमुनानगर के शंकरगढ़ स्थित विद्युत सब स्टेशन शंकरगढ़ के उपखंड अधिकारी विमल कुमार यादव ने बताया कि योगी सरकार ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को सुविधा देने के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू कर दी है। यह योजना 08 नवंबर से 31 दिसंबर 2023 तक कुल 54 दिनों तक तीन खंडों में चलेगी। इस योजना का पहला चरण 8 से 30 नवंबर, दूसरा चरण 01 दिसंबर से 15 दिसंबर तथा तीसरा चरण 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। इस योजना की खास बात ये है जो उपभोक्ता जल्दी आएंगे, वो ज्यादा लाभ पाएंगे। खासतौर पर 30 नवंबर तक पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को ज्यादा लाभ मिलेगा। इसलिए यूपीपीसीएल की ओर से उपभोक्ताओं से योजना का तुरंत और ज्यादा लाभ लेने के लिए अपील की गई है।इस आकर्षक योजना की एक विशेषता है कि 'जल्दी आएं, ज्यादा लाभ पाएं। इसलिए उपभोक्ता तुरंत इसका लाभ ले लें।वो किसी भी विभागीय बिलिंग काउंटर पर, एसडीओ या एक्सीएन कार्यालय पर योजना में पंजीकरण कर सकते हैं।' इस योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं तथा किसानों का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्हें सरचार्ज में 100 प्रतिशत की छूट दी गई है तथा अधिकतम 12 किश्तों में अपने बकाए राशि के भुगतान की सुविधा प्रदान की गई है।

बिजली चोरी के मामलों में भी राहत

गौर करने की बात यह है कि योजना के तहत पहली बार बिजली चोरी के मामलों में भी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। चोरी के प्रकरणों में उपभोक्ता द्वारा 30 नवंबर तक 10 प्रतिशत पंजीकरण राशि जमा कर एक मुश्त भुगतान करने की दशा में उसे 65 प्रतिशत तक बिजली चोरी के राजस्व निर्धारण की राशि को जमा करने से छूट मिल जाएगी। 31 दिसंबर तक किस्त में जमा करने पर भी 45 प्रतिशत की छूट ली जा सकेगी।

जल्दी आने वालों को ऐसे मिलेगा ज्यादा लाभ

योजना के तहत एक किलोवाट तक भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं तथा एलएमवी-5 तक के किसान उपभोक्ताओं को 15 दिसंबर तक बकाए के पूर्ण भुगतान पर सरचार्ज राशि में 100 प्रतिशत तक की छूट तथा इस दौरान बकाए को 12 किस्तों में जमा करने पर 90 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके बाद पूर्ण भुगतान पर 80 प्रतिशत तथा 12 किस्तों में भुगतान पर 70 प्रतिशत की छूट मिलेगी। एक किलोवाट से अधिक भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 30 नवंबर तक अपने बकाए का पूर्ण भुगतान करने पर 90 प्रतिशत की छूट, तीन किस्तों में भुगतान पर 80 प्रतिशत की छूट तथा 6 किस्तों में भुगतान पर 70 प्रतिशत की छूट मिलेगी। 1 से 15 दिसंबर तक पूर्ण भुगतान पर 80 प्रतिशत की छूट, 3 किस्तों में भुगतान पर 70 प्रतिशत तथा 6 किस्तों में भुगतान पर 60 प्रतिशत की छूट मिलेगी। 16 दिसंबर के बाद पूर्ण भुगतान पर 70 प्रतिशत की छूट, 3 किस्तों में भुगतान पर 60 प्रतिशत तथा 6 किस्तों में भुगतान पर 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। 3 किलोवाट भार तक के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं द्वारा 30 नवंबर तक अपने बकाए का पूर्ण भुगतान पर 80 प्रतिशत तथा 3 किस्तों में भुगतान पर 70 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

शो-पीस बने ग्राम पंचायतों में हो रहे चौपाल के कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

बीडीओ एडीओ प्रधान की कोई नहीं सुनते प्रशासनिक अधिकारी, बीडीसी की बैठक में छाया रहा यह मुद्दा

क्या बोली जिला पांचायत सदस्या

मेरी सरकार से मांग है कि जिला पचायत से ले कर ग्राम और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के द्वारा सिफारिशी पत्रों पर थाना, ब्लॉक, तहसील, आपूर्ति विभाग आदि तत्परता पूर्वक अमल करे जिससे चुने गए जन प्रतिनिधियों का सम्मान भी बढ़ेगा और समस्याओं का त्वरित निदान भी हो सकेगा।

श्रीमती पूजा सिंह पटेल सदस्या जिला पंचायत प्रयागराज

कोराव। सरकार द्वारा जनसुनवाई के जरिए ऑनलाइन,और ऑफलाइन जन शिकायत प्रतिदिन किए जाने से ले कर ग्राम चौपाल आदि के माध्यम से की जा रही शिकायतों का कोई वजूद नहीं दिख रहा। क्योंकि निस्तारण करने वाले अधिकारी मनचाहा रिपोर्ट लगा कर शिकायतों की तेरही कर देते हैं। सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में रोस्टर से क्रम वार ग्राम्य चौपालों का आयोजन करा रही है। और बीडीओ से ले कर प्रभारी अधिकारी चौपाल और ग्राम प्रधान संयुक्त रूप से प्राप्त शिकायतों को एसडीएम से ले कर आपूर्ति,पुलिस,राजस्व आदि विभाग के सक्षम अधिकारी तक पत्राचार किया जाता है किंतु उक्त शिकायतों को कोई तरजीह ही नहीं दे रहा। जिससे ग्राम्य चौपालों का भी मजाक उड़ने लगा। इस बाबत ग्राम प्रधान संगठन के लीडर प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने बताया कि अल्हवा ग्राम पंचायत में आयोजित चौपाल में बीडीओ कोराव मुख्य अतिथि ने खुद जन समस्याओं की शिकायतें सुनीं। और अपने विभाग की समस्या का तो निस्तारण उन्होंने कर दिया किंतु तहसील और आपूर्ति विभाग से संबंधित मामले उप जिलाधिकारी कोरांव और आपूर्ति विभाग तथा ए बी एस ए कोरांव को कार्यवाही हेतु पत्राचार किया था। किंतु किसी ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिससे ग्राम चौपाल का आयोजन भी अब मजाक बनता जा रहा। इस बाबत क्षेत्र पंचायत कोरांव की 22 नवंबर को हुई खुली बैठक में भी चर्चा की गई। ग्राम प्रधान अल्हवा ने सदन के माध्यम से जिला प्रशासन को ध्यान आकृष्ट किए जाने का प्रस्ताव रखा। क्योंकि ग्राम पंचायतों के द्वारा जनहितार्थ पत्राचार के बाद तहसील आपूर्ति,थाना,आदि विभाग कोई तरजीह नहीं देता। जिससे ग्राम पंचायतों का अपमान हो रहा है। फिर कानून और शांति व्यवस्था कैसे कायम होगी। सदन में अध्यक्ष और बीडीओ ने संज्ञान में लेकर जिला प्रशासन को अवगत किए जाने का आश्वाशन दिया।

मामूली बात को लेकर दबंगो ने घर में घुस कर लाठी डंडो से मारे पीट ,उंगली तोड दिए

मऊआइमा। मामूली बात को लेकर दबंगो ने लाठी डंडा लेकर घर में घुस कर मारे पीटे तथा एक की उंगली तोड दिए। भुक्तभोगी ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के घीनपुर मोहन का पूरा गांव निवासी मोहम्मद अकरम पुत्र कुर्बान अली का आरोप है कि मामूली बात को लेकर कतिपय दबंग लोग हाथों में लाठी डंडा लेकर घर में घुस कर मारे पीटे तथा जान से मारने की धमकी दी गई। मोहम्मद अकरम का आरोप है कि उसकी उंगली तोड दी गई। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी है तथा घायलों के उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था। पुलिस का कहना था कि मामले की जांच की जा रही है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

सतीश चंद्र मिश्रा की मृत्यु पर शोक सभा

मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर,मांडा में लगभग 40 वर्षों तक क्रीड़ा प्रभारी व वॉलीबाल के कुशल प्रशिक्षक के रूप में सेवा की

मेजा। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज की एक शोक सभा स्थानीय सोरांव पातीं गाँव के सार्वजनिक खेल मैदान पर कल अपराह्न 4 बजे आहूत की गई। शोक सभा एसोसिएशन के संरक्षक श्यामकांत शुक्ल उर्फ लहरी भइया की अध्यक्षता में हुई। जिसमें जिला वॉलीबाल संघ के आजीवन सदस्य रहे सतीश चंद्र मिश्रा,निवासी समहन (मेजारोड) की गत दिवस 21 नवंबर 2023 को हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। जिससे वॉलीबाल खेल जगत की एक अपूर्णनीय क्षति हुई है। उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के महासचिव आर.पी. शुक्ला ने बताया कि सतीश चंद्र मिश्रा जी ने अपने सेवाकाल के दौरान मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर,मांडा में लगभग 40 वर्षों तक क्रीड़ा प्रभारी एवं वॉलीबाल खेल के कुशल प्रशिक्षक के रूप में अपना योगदान प्रदान किया है, जिन्हें कभी भुलाया नही जा सकता है। उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान अनेकों प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मेजा की पावन धरती से पैदा किया था। उक्त शोक सभा में एसोसिएशन के कई पदाधिकारी, भूतपूर्व एवं वर्तमान वॉलीबाल खिलाडियों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जिसमें मुख्य रूप से डीवीए प्रयागराज के कोषाध्यक्ष के.बी.एल. श्रीवास्तव, उमाकांत तिवारी, कुशल कांत मिश्रा, रामस्नेही शुक्ला, हरिश्चंद्र मिश्रा (समहन), वागीश द्विवेदी, प्रभाकर चौबे, देवेंद्र नाथ शुक्ला, ठाकुर प्रसाद यादव, मुकेश शुक्ला, के.पी.सिंह, टी.एन.सिंह, विवेक शुक्ला, अभिषेक सिंह, आदर्श मिश्रा, संतोष भास्कर (मांडा अंकित शुक्ला,असफाक अहमद,पीयूष मिश्रा व सिंटू विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

अधिकारियों की मनमानी से सपाईयों का प्रदर्शन

प्रयागराज में डीएम व कमिश्नर कार्यालय पर पहुंचकर किया घेराव, सड़क चौड़ीकरण के नाम पर घर तोड़ने का आरोप

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने आज मंगलवार को जिलाधिकारी व मंडलायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। सपाईयों का कहना है कि शहर के शिवकुटी, अपट्रान चौराहा, गोविंदपुर, तेलियरगंज, रसूलाबाद आदि मोहल्लों में सड़क चौड़ीकरण, सुंदरीकरण के नाम पर वर्षों से इस क्षेत्र में निवास करने वालों के मकानों, दुकानों को जबरन तोड़े जाने, बेघर हुए लोगों को उचित राहत नहीं दिया जा रहा है।ज्ञापन में कहा गया है कि इन मोहल्लों में पट्टेदारी की भूमि पर लगभग 70 हजार मकान आम लोगों के बने हैं। जिनके विनयमितीकरण का मामला 10 मार्च 1987 से विधानसभा की आश्वासन समिति में लंबित है। इसी तरह से तमाम राजकीय अस्थान की भूमि पर लोग पीढ़ीयों से मकान बना कर रह रहे हैं और उन्हें फ्री होल्ड करने का मामला राज्य सरकार में लंबित चल रहा है। ऐसे दर्जनों मामलों को ज्ञापन में दशार्या गया है। जिनको बेदखल करने के लिए सरकारी नोटिस जारी की गई है।

लोगों को दी जा रही है नोटिस

सपा नेता संदीप यादव के अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे सपाईयों का आरोप है कि कुछ बिल्डरों से साठ गांठ करके अधिकारियों द्वारा मनमाने तरीके से पीढ़ियों से बसे लोगों को नोटिस थमाई जा रही है और मकान तोड़े जाने की कार्रवाई की जा रही है। लोंगो ने सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई को रोके जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से अरुण यादव, आशीष पाल, सुमित यादव, गौरव वर्मा, विनय मौर्य, अभिषेक, आदि रहे।

किसानों की समस्याओं पर आगे आए सपाई

जिले भर के सरकारी धान क्रय केंद्रों को सक्रिय कर किसानों का धान खरीदे जाने, रबी की बुवाई के लिए खाद, बीज सुलभ कराने, काला बाजारी रोके जाने, साड़ों व छुट्टा जानवरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए सपाईयों ने जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। सपा जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार पप्पूलाल निषाद एवं महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन के संयुक्त नेतृत्व में दिए गए 9 सूत्रीय ज्ञापन में उक्त मांगो के साथ ही डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे रोगों से बचाव के लिए आवश्यक उपाय किये जाने, ग्रामीण क्षेत्रों में कम सेकम 20 घंटे की नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने, कोल्ड स्टोरेज में किसानों की आलू सड़ जाने के बावजूद मालिकों द्वारा किराया वसूले जाने पर रोक लगाने आदि की मांग की गई।

परिचालक के शरीर पर लगे 35 टांके , इमरजेंसी वार्ड में किया गया शिफ्ट

प्रयागराज। चापड़ के हमले से घायल परिचालक हरिकेश विश्वकर्मा के शरीर में कुल 35 टांके लगे हैं। इंजीनियरिंग छात्र ने उनके गले में जो वार किया, उससे करीब छह इंच लंबा घाव हुआ है। कई नसें भी इससे कट गई हैं। शुक्र है कि एसआरएन हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने उन्हें कड़ी मशक्कत के बाद बचा लिया। जान का खतरा घटने पर सोमवार को उन्हें आईसीयू से इमरजेंसी वार्ड में भी शिफ्ट कर दिया गया। उन्हें इसी हफ्ते अस्पताल से भी छुट्टी मिल सकती है।शुक्रवार को हुए हमले के बाद से एसआरएन के आईसीयू में भर्ती हरिकेश विश्वकर्मा की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है। हालांकि, शुरूआती स्थितियां नाजुक थीं। जान तक का खतरा दिख रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक हरिकेश के दाहिने कान के नीचे गर्दन के पिछले हिस्से में करीब छह इंच लंबा, चार इंच चौड़ा और तीन इंच गहरा घाव था। मांस के कटे हिस्सों को सहेजने के लिए गले में 20 टांके लगाने पड़े। हमले से बचने के चक्कर में हाथों में भी दो जगह चापड़ लगा है।हाथों के कटे हिस्सों में कुल 15 टांके लगाए गए हैं। उनके दाहिने हाथ की एक अंगुली भी टूट गई है। डॉक्टरों का कहना है कि गर्दन पर हमले में परिचालक के दिमाग से दिल तक खून को ले जाने वाली नस कट गई है। फिलहाल डॉक्टरों की तत्परता से परिचालक की तबीयत में तेजी से सुधार आ रहा है। सोमवार को परिचालक को आईसीयू से इमरजेंसी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। परिचालक का इलाज सर्जन डॉ. विकास सचदेवा की देखरेख में चल रहा है।

न्यूज झरोखा...

सांसद रीता बहुगुणा जोशी के आश्वासन पर प्रबंधकों का धरना समाप्त

नैनी। नैनी प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में अनियमितता का आरोप लगाकर स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन की ओर से 25 नवम्बर से प्रशासनिक भवन पर दिया जा रहा धरना मंगलवार को समाप्त हो गया। सांसद रीता बहुगुणा जोशी के भ्रष्टाचार और अनियमितता की जांच कराए जाने के आश्वासन पर एसोसिएशन ने धरना खत्म किया। सांसद रीता ने मंगलवार को विश्वविद्यालय पहुंचकर धरने पर बैठे प्रबंधकों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों के आधार पर वह विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितता, अवैथ धन उगाही और केन्द्र निर्धारिण में किए जा रहे पक्षपात के आरोपों की जांच कराएंगी। धरने पर प्रमुख रूप से हृदय त्रिपाठी, दीपक सिंह पटेल, अखिलेश मिश्रा, राजेश त्रिपाठी, दीपक केशरवानी, तरुणेश मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, संजय पटेल, राहुल सिंह, इश्तियाक अहमद आदि शामिल रहे।

महापौर ने कार्तिक मेला समापन में बलुआ घाट पर यमुना जी की उतारी आरती

प्रयागराज। महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवनी द्वारा मंगलवार को कार्तिक मेला समापन कार्यक्रम के दौरान बलुआघाट पर यमुना जी की आरती की गयी। इस दौरान यमुना पुत्र पुरोहित कल्याण सेवा समिति बाहम्ण घाट संध बलुआघाट के अध्यक्ष सर्वेश कुमार मिश्र ने नगर निगम प्रयागराज द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था हेतु उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया, साथ ही माननीय महापौर जी द्वारा जोनल अधिकारी संजय ममगई, सुर्दशन चन्द्रा, अवर अभियन्ता राम सक्सेना, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक श्रीमती पूजा सिंह आदि को उच्च कोटि की सफाई व्यवस्था हेतु प्रशस्ति-पत्र वितरित किया गया।

समाधान दिवस पर नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने सुनी जनता की समस्याएं

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, चन्द्र मोहन गर्ग द्वारा मंगलवार को जन सुनवाई करते हुए नगर निगम में आये हुए शिकायतकताओं की शिकायतों को सुना गया। जिसमें कुल 34 शिकायतें प्राप्त हुई। नगर आयुक्त द्वारा शिकायतकताओं की शिकायतों को निस्तारित किये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, और यह भी निर्देशित किया गया, साथ ही शिकायतो के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय इसका भी विशेष ध्यान दिया जाय।सम्भव जनसुनवाई बैठक के दौरान, अपर नगर आयुक्त अरविन्द राय, श्रीमती रत्न प्रिया, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी/जन सम्पर्क अधिकारी पी0के0द्विवेदी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी अभिषेक सिंह, जोनल अधिकारी दिलीप कुमार श्रीवास्तव, संजय ममगई, मदन गोपाल, अधिशाषी अभियन्ता नजमी मुजफ्फर, अधिशाषी अभियन्ता स्वप्निल जैन आदि अधिकारीगण उपस्थित रहें।

नैनी में लगा भीषण जाम मिजार्पुर मुख्य मार्ग पर पुलिस प्रशासन के साथ एसपीओ टीम ने खुलवाया जाम

नैनी। नैनी मिजार्पुर मुख्य मार्ग पर मंगलवार को नैनी एडीए मोड़ पर भीषण जाम लग गया जिसकी सूचना मिलने पर एसपीओ टीम के प्रभारी अभयराज सिंह मौके पर पहुंचकर जाम की सूचना नैनी कोतवाली इंस्पेक्टर यशपाल सिंह व चौकी इंचार्ज संदीप कुमार को दिया। सूचना मिलते ही नैनी थाने के इंस्पेक्टर एवं चौकी इंचार्ज छिवकी पुलिस टीम के साथ पहुंचकर जाम को हटवाया। वहीं एसपीओ प्रभारी अभय राज सिंह ने अपनी टीम के सदस्यों को मौके पर बुलाकर प्रशासन के साथ जाम खुलवाने व ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन कराने मे लगे रहे। इस दौरान एसपीओ प्रभारी अभयराज सिंह उप प्रभारी परवेज अहमद जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली संगठन सचिव रविंद्र सिंह रामजी जायसवाल पंकज मलिक सुशील शर्मा आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

हाईकोर्ट समाचार

हाईकोर्ट में अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई, सभी याचियों को दो माह में नियुक्ति देने के आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में 69000 सहायक अध्यापक भर्ती में नियुक्ति की मांग में दाखिल अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने सभी 15 याचियों को दो माह में नियुक्ति देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने याचियों को एक अंक देते हुए दो माह के अंदर नियुक्ति पत्र जारी करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा याचिका दाखिल करने वाले सभी 2249 अभ्यर्थियों को भी इस आदेश का लाभ मिलेगा, कोर्ट ने कहा मेरिट तैयार कर कट ऑफ में आने पर इन 15 याचीयों के साथ अन्य अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम कट ऑफ के अनुसार याचियों को यदि कट ऑफ में आते हैं तो आज से दो माह के भीतर प्रकिया पूर्ण कर नियुक्ति प्रदान करें। दो माह में नियुक्ति न दिए जाने पर याचियों को आदेश का रिकॉल कराने की छूट रहेगी। हाईकोर्ट में सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रताप सिंह बघेल और सचिव अनिल भूषण चतुवेर्दी पेश हुए, सचिव बेसिक शिक्षा परिषद ने कोर्ट में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल किया। बताया कि 26 नवंबर को उप सचिव यूपी शासन ने सचिव पीएनपी को शासनादेश भेजा है जिसमें अवमानना याचिकाओं में शामिल 15 याचियों को एक अंक देते हुए सूची सचिव बेसिक शिक्षा परिषद को भेजने का निर्देश दिया है जिसे पीएनपी की ओर से उन्हें भेज दिया गया है। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी की ओर से भी व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल किया गया उन्होंने कहा कि अन्य अभ्यर्थियों को भी एक अंक देकर रिकॉर्ड 15 दिन के भीतर सचिव बेसिक शिक्षा परिषद को भेज देंगे। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को हाईकोर्ट के 25 अगस्त 2021 के डिवीजन बेंच के आदेश का अनुपालन न करने पर स्पष्टीकरण के लिए तलब किया था। सुप्रीम कोर्ट से राज्य सरकार 09 नवंबर 2022 को केस हार चुकी है उसके बावजूद भी याचियों को एक नंबर देने के आदेश का अनुपालन अब तक नहीं किया गया था याची उपेंद्र कुमार दयाल, अलका दुबे एवं अन्य कई भ्यर्थियों की ओर से अवमानना याचिकाएं दाखिल की गई थीं। अधिवक्ता अनुराग त्रिपाठी और राहुल मिश्रा ने याचियों का अदालत में पक्ष। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने सभी अवमानना याचिकाएं इसी निर्देश के साथ निस्तारित की।

नैनी के हनुमान नगर में चौड़ीकरण को लेकर हुआ विरोध

नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष व पार्षद राकेश जायसवाल ने व्यापारियों से अपील की है कि सभी व्यापारी अपनी दुकान बुधवार को बंद रखे हनुमान नगर से मेवालाल बगिया चौराहे तक

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी के हनुमान नगर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर हुआ विरोध मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने निरीक्षण किया हनुमान नगर में पार्षद व अध्यक्ष व्यापार मंडल के राकेश जायसवाल ने अधिकारियों से बोले की 16 मी हनुमान नगर में लिया जाए नहीं तो व्यापारी लोग विरोध करेंगे पार्षद व अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने बताया कि 4 महीने से अधिकारियों लोग व्यापारी को परेशान कर रहे हैं हम सरकार से यह मांग करते हैं कि सड़क चौड़ीकरण व्यापारी के हित में हो बुधवार को हनुमान नगर में शिव मंदिर चौरसिया मार्केट से मेवा लाल बगिया तक पूरी दुकान बंद रहेगी चौड़ीकरण के विरोध में काफी संख्या में व्यापारी लोग मौजूद थे। पार्षद व व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जयसवाल लल्लू गुप्ता संजय जयसवाल धर्मराज पटेल मुन्ना लाल शर्मा रमेश केसरवानी मोनू जायसवाल अशोक केसरवानी बैजनाथ गुप्ता राकेश विश्वकर्मा व्यापारी मौजूद रहे।

अतीक के बंगाल होटल समेत दो संपत्तियों को कुर्क करने के लिए मांगी अनुमति

प्रयागराज। अतीक अहमद की दो बेनामी संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शाहगंज स्थित बंगाल होटल के माफिया के कब्जे वाले हिस्से और कुछ दूर पर स्थित 200 वर्ग गज जमीन के कुर्की के संबंध में रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकरियों को भेज दी गई है। पुलिस आयुक्त न्यायालय से इसकी अनुमति मिलते ही दोनों संपत्तियां गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की जाएंगी।शाहगंज के बंगाल होटल के आधे भाग पर अतीक की कब्जेदारी की जानकारी पुलिस को कुछ महीनों पहले मिली थी। पता चला था कि अतीक ने दबंगई के बल पर इसे कब्जा लिया था और अपने गुर्गों को इसमें बसा दिया था। इसके बाद इस संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जुटाए गए। उधर मिन्हाजपुर में ही अतीक के कब्जे वाली 200 वर्ग गज जमीन का पता चला। दस्तावेजों की पड़ताल में पता चला कि यह जमीन अतीक ने अपनी पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम पर खरीदी थी। राजस्व विभाग से अभिलेख जुटाने व सत्यापन कराने के बाद दोनों को कुर्क करने संबंधी रिपोर्ट तैयार करने में पुलिस टीमें लगी थीं। अब यह रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और इसे उच्चाधिकारियों को भेज दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि रिपोर्ट में बताया गया है कि उक्त दोनों संपत्तियां माफिया ने अपराध से अर्जित किया और ऐसे में इसे गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कुर्क किया जाना उचित होगा। अब इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आयुक्त न्यायालय दस्तावेजों के अवलोकन आदि के बाद निर्णय लेंगे। माफिया की बेनामी संपत्ति का पता लगाने में जुटी पुलिस टीम ने उसके दिल्ली स्थित एक मकान की भी जानकारी जुटाई है। यह मकान दिल्ली के बाटला हाउस में स्थित है। इसके अलावा नोएडा के सेक्टर 36 में एक फ्लैट खरीदा था। इसकी कीमत करोड़ों में है। उधर लखनऊ के महानगर कॉलोनी स्थित उस फ्लैट को चिह्नित किया ही गया है, जिसमें अतीक का बेटा असद अपने साथियों संग रहता था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इन तीनों ही संपत्तियों को भी गैंगस्टर एक्ट में कुर्क किए जाने की योजना है, जिसके लिए पुलिस रिपोर्ट तैयार कर रही है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

एडीएम प्रशासन ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के दिये निर्देश

प्रयागराज। अपर जिलाधिकारी प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए है। बैठक में पर्यटन विभाग, विद्युत विभाग, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद मार्जिन मनी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, निवेश मित्र पोर्टल सहित अन्य सम्बंधित विषयों की बिंदुवार समीक्षा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने बैंको में लम्बित मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं एक जनपद एक उत्पाद योजना से सम्बंधित आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से निस्तारित कराये जाने का निर्देश एलडीएम को दिया है। राजकीय औद्योगिक आस्थान फूलपुर के भूमि को राजस्व अभिलेखों में उद्योग विभाग के नाम से अंकित न होने तथा अवैध अतिक्रमण से सम्बंधित विषय के सम्बंध में अपर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी फूलपुर एवं उपायुक्त उद्योग को समन्वय बनाते हुए प्रकरण को निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। राजकीय औद्योगिक आस्थान फूलपुर एवं मिनी औद्योगिक आस्थान सोरांव में आवंटित भूखण्डों पर ईकाई स्थापित न करने के कारण उसके निरस्तीकरण से सम्बंधित बिंदु पर सम्बंधित उद्यमियों के द्वारा और समय दिए जाने के अनुरोध किए जाने पर अपर जिलाधिकारी ने सम्बंधित उद्यमियों को पुनः दिए गए समय के अंदर उद्यम स्थापित किए जाने के लिए कहा है। उद्यमियों के द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नैनी में नालियों की सफाई, जल निकासी और विद्युत ट्रिपिंग सहित अन्य समस्यायें बताये जाने पर अपर जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाये। निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से निस्तारित करने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग शरद टण्डन, उद्योग बंधु व्यापार मण्डल से मुरारी लाल अग्रवाल, नटवर लाल तथा उद्यमीगण सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यातायात माह में महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा समुदाय द्वारा जन जागरूकता निकाली गई रैली

प्रयागराज। मंगलवार को सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम मंगलवार को किन्नर अखाड़ा के तरफ से जागरूकता रैली को हरी झंडी यातायात जागरूकता प्रभारी पवन कुमार पाण्डेय ने दिखा कर रवाना किया जानसेनगंज से चौक घन्टाघर नीम का पेड़ से वापस जानसेनगंज चौराहे पर समापन किया गया,व्यापारियों व वाहन चालकों से महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा कौशल्या ननन्द गिरी टीना माँ ने अपील किया कि अपने दुकान सड़क से हटकर लगाए और वाहन को सड़क के किनारे पार्किंग करें चौक एरिया में कोशिश करें कि वाहन न ही ले कर जाए क्योंकि वहां अधिक भीड़ होती है। गलत साइड से वाहन को न चलाए। कार्यक्रम में टैम्पो टैक्सी यूनियन के उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी कहा की वाहन चलाते समय मानक एवं निर्धारित गति के अनुसार ही वाहन चलाएं। मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहने साथ में सुरक्षा लॉक अवश्य लगाये। चार पहिया वाहन चलाते समय हर व्यक्ति सीट बेल्ट बांधकर ही यात्रा करें। यातायात प्रभारी पवन पाण्डेय ने कहा कि अपने परिवार के सदस्यों से सुरक्षा के साथ वाहन चलाने की बात जरूर करें। रैली के समापन पर जो व्यक्ति हेलमेट लगाए थे उन्हें गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया और जो हेलमेट नही लगाए थे उन्हें टीना माँ द्वारा हेलमेट वितरण किया गया। रैली में सिविल डिफेंस डिविजनल वार्डेन,नितीश शुक्ल आदि सैकड़ो लोगों सम्मलित हुए।

निपुण धनूपुर का लक्ष्य हमारी पहली प्राथमिकता-डॉ पाण्डेय

प्रयागराज। आगामी दिनों राज्य परियोजना के आदेशानुसार प्राचार्य जिला शिक्षा एवम प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज के द्वारा गठित डीएलएड प्रशिक्षुओं की टीमों के द्वारा विकास खण्ड में सभी शिक्षक संकुलों, नोडल शिक्षक संकुलों के विद्यालयों व एआरपीयो के द्वारा गोद लिए गए विद्यालयों का निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से निपुणता का परीक्षण किया जाएगा। आपको बताते चले कि विकास खण्ड धनूपुर में कुल दस न्याय पंचायतों में कुल 50 शिक्षक संकुल कार्यरत है साथ मे कुल पांच एआरपियो के द्वारा 50 यानी कुल 100 विद्यालयों में यह परीक्षण होना प्रस्तावित है। उक्त संदर्भ में आज ब्लॉक संसाधन केंद्र धनूपुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ प्रभा शंकर पांडेय ने एक अति आवश्यक मीटिंग सभी आच्छादित विद्यालयों के प्रधानाध्यापको, शिक्षक संकुलों, नोडल शिक्षक संकुलों, व एआरपियो कि आहूत की गई। डॉ पाण्डेय ने कहा कि सभी विद्यालयों में कक्षा एक दो व तीन के बच्चों में से 12-12 बच्चों को सम्मलित किया जाएगा यह प्रक्रिया रेन्डमाइज होगा इसमे से यदि 8 बच्चें निपुण हो जाएंगे तो कक्षा निपुण कहलायेगा। सभी 12 बच्चें होंगे तो विद्यालय निपुण हो जाएगा। इस संदर्भ में तैयारी हेतु सभी विद्यालयों के प्रमुखों को शपथ दिलाई गई कि सभी लोग दिसम्बर 2023 तक अपने अपने विद्यालयों को निपुण बनाकर धनूपुर को निपुण ब्लॉक बनाये।

मांडा बीआरसी में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के साथ पैरेन्ट काउन्सलिंग का हुआ आयोजन

मांडा। ब्लॉक संसाधन केंद्र मांडा के सभागार में मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के निर्देश के अनुपालन में समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के साथ तृतीय पैरेंट्स काउन्सिलिंग का आयोजन किया गया । वहीं खंड शिक्षा अधिकारी राजीव प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बीईओ मांडा श्री सिंह ने बताया कि परिषदीय विद्यालय में अध्यनरत छात्र- छात्राओं को मुख्य धारा से जोड़ने ,दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरुक करने, लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए शिक्षको को प्रेरित करते हुए कहा कि अभिभावकों को योजना की जानकारी देना आवश्यक है।

दिव्यांगों की सेवा एक सच्ची मानव सेवा, डॉ रमेश चंद्रा

प्रयागराज। प्रयागराज में हंगर कार्यक्रम के अंतर्गत लायंस क्लब प्रयागराज रॉयल द्वारा नगर के बचपन डे केयर सेंटर में बबीता जायसवाल के द्वारा उनकी बच्ची दीपाली का जन्मोत्सव वहां के दिव्यांग बच्चों के साथ धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम को देख वहां के उपस्थित लगभग 60 बच्चे बहुत ही उत्साहित थे। उनके चेहरे पर एक मधुर मुस्कान भी देखने को मिली। दृश्य देखकर बहुत ही आनंद आया और ऐसा लगा कि सारे लोगों को अपनी खुशियां इन दिव्यांग जनों के साथ बांटना चाहिए। बतौर अध्यक्ष मेरा मानना है की अपनी खुशियां अगर इन बच्चों के साथ किसी पर्व या किसी भी अवसर पर मनाया जाए तो जो खुशी उनके बीच में मिलती है, वह अन्य कहीं नहीं मिल सकती। दिव्यांग जनों की सेवा ही एक सच्ची मानव सेवा है। सभी बच्चों को केक काटने के बाद बिस्किट, टॉफी, मिष्ठान, केक, फल आदि का वितरण किया गया सभी बच्चों के अंदर एक अलग खुशी थी। वहां के जिला समन्वयक एवम जिला दिव्यांगजन अधिकारी ' शएल चंद्रभान द्विवेदी एवं वहां पूरे स्टाफ का अभूतपुर सहयोग रहा। सभी लोगों ने मिलजुल कर अपना योगदान दिया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन डॉ रमेश चंद्रा, सचिव लायन संत कुमार वर्मा, लायन सरिता पटेल, लायन अंजली यादव, पुष्पा तिवारी, बृजेश, लायन डॉ संतोष यादव, सहित कई लोग उपस्थित थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर लगभग 2 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मेले का मुख्य स्नान पर्व सकुशल संपन्न

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। ऐतिहासिक व धार्मिक नगरी मानिकपुर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मां ज्वालामुखी देवी धाम के पांच दिवसीय मेले के मुख्य स्नान पर्व पर लगभग दो लाख श्रद्धालु भक्तों ने पतित पावनी मोक्षदायिनी मां गंगा में प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच डुबकी लगाकर मां ज्वाला देवी धाम में माथा टेक कर पुण्य लाभ कमाया। मेला क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस का कड़ा पहरा था।

पुलिस की सतर्कता के कारण मेले का मुख्य स्नान पर्व सकुशल संपन्न हो गया। जहां जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर प्रशासन के अधिकारी व मां ज्वालामुखी मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी व स्वयंसेवक मेला क्षेत्र में पूरी तरह से सक्रिय भ्रमणशील रहे।मानिकपुर का कार्तिक पूर्णिमा मेला जनपद का ही नहीं बल्कि प्रदेश स्तर के बड़े मेलों में गिनती होती है। जहां पर प्रतापगढ़ जनपद के अलावा प्रदेश के सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, कौशांबी, जौनपुर समेत विभिन्न जनपदों से श्रद्धालु भक्तगण मां गंगा में डुबकी लगाने के लिए पहुंचे थे। श्रद्धालु यात्रियों को ले आने ले जाने के लिए राज्य परिवहन निगम की 32 बसें लगाई गई थी।

जहां रहमत अली के पुरवा के पास अस्थाई रूप से रोडवेज का बस अड्डा बनाया गया था। पुलिस, पीएसी, होमगार्ड, पीआरडी व एसडीआरएफ की जल पुलिस कि समुचित व्यवस्था की गई थी। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से शाहाबाद गंगा स्नान घाट व मां ज्वालामुखी देवी धाम पर दो अलग-अलग निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। जहां निशुल्क उपचार किया जा रहा है। दोनों स्थानों पर भूला भटका शिविर

कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान ज्वाला देबी मंदिर मे दर्शन को उमड़ी भीड़

भी लगा हुआ है। जहां से भूले हुए मेलार्थियों को उनके परिजनों से मुलाकात कराई गई। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर शाहाबाद घाट पर श्रद्धालु भक्तगण अपने-अपने पुरोहितों के पंडाल में लगभग 40 से 50 हजार के बीच पहुंच चुके थे। मध्य रात्रि के बाद स्नान का शुभ मुहूर्त आते ही हर-हर गंगे जय मां गंगे के जयकारे के साथ लोगों ने डुबकी लगाना शुरू किया, तो तब से स्नान का शुरू हुआ क्रम अनवरत अपरान्ह तक चलता रहा।

नगर पंचायत मानिकपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि आशुतोष जायसवाल उर्फ डिम्पू भैया अधिशासी अधिकारी अजीत कुमार सिंह नगर प्रशासन के कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में व्यवस्था बनाने के लिए भ्रमण करते रहे। इस वर्ष नगर प्रशासन की अच्छी व्यवस्था देखने को मिली। यहां पर गंगा स्नान घाट व मंदिर पर रैन बसेरा, अलाव व शिफ्टवार साफ सफाई की व्यवस्था की गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक रोहित मिश्रा, उपजिलाधिकारी मेला मजिस्ट्रेट भरत राम, क्षेत्राधिकार अजीत कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार पांडे दलबल के साथ भ्रमण रात्रि से ही पूरे मेला क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। मां ज्वालामुखी देवी मंदिर ट्रस्ट सचिव व मेला व्यवस्थापक डॉक्टर विजय यादव मंदिर ट्रस्ट सदस्य त्रिभुवन नाथ यादव, अनिल कुमार मौर्य, तुलसीराम पटेल, स्वयंसेवक राजकुमार यादव, दुर्गा प्रसाद यादव, महेश यादव, संतोष यादव, बाबा प्रयाग दास, अनिकेत यादव मेला क्षेत्र में सक्रिय रूप से व्यवस्था में सहयोग कर रहे थे। वहीं शाहाबाद स्नान घाट पर पुरोहित संघ अध्यक्ष प्रेमनाथ दीक्षित, उपाध्यक्ष गिरजा शंकर द्विवेदी उर्फ पुजारी जी घाट पर कड़ी निगरानी रखे हुए थे जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। रोडवेज प्रतापगढ़ के एआरएम पीके कटियार ने बताया इस वर्ष निगम को दो लाख सत्तर हजार की आमदनी जब कि गत वर्ष 146000 निगम को आय हुई थी जो पिछले वर्ष की तुलना में एक लाख चैबीस हजार अधिक है। मेला के सकुशल सम्पन्न होने से शासन प्रशासन ने राहत मिली।

परीक्षा कक्ष का निरीक्षण करते प्राचार्य।

विश्वविद्यालय की विषम सेमेस्टर परीक्षाएँ शुरू

एमडीपीजी में 35 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुईं। जनपद के सबसे बड़े परीक्षा केंद्र एमडीपीजी कॉलेज में परीक्षा के पहले दिन आज दोनों पालियों में कुल 1127 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी तथा 35 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र के निर्देशन में परीक्षाएं प्रारंभ हुईं। प्रो प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में महाविद्यालय का आंतरिक सचल दल परीक्षाओं की लगातार निगरानी करता रहा। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि प्रथम पाली में 656 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिनमें 626 ने परीक्षा दी और 30 अनुपस्थित रहे। जबकि द्वितीय पाली में 506 परीक्षार्थी पंजीकृत थे 501 ने परीक्षा दी तथा पांच परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में बीए प्रथम सेमेस्टर की प्राचीन इतिहास, एम ए प्रथम सेमेस्टर ज्योग्राफी तथा एम काम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं संपन्न हुईं। द्वितीय पाली में बीए तृतीय सेमेस्टर प्राचीन इतिहास एम ए तृतीय सेमेस्टर ज्योग्राफी तथा एमकॉम तृतीय सेमेस्टर स्टैटिकल एनालिसिस की परीक्षाएं संपन्न हुईं।

विद्यालय के रसोई घर का ताला तोड़कर मिड डे मील की चोरी, पुलिस को दी तहरीर

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां बाजार मे चोर उचक्को खुलेआम नवाबगंज पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। चोरों के आंतक से ब्यापारियों मे दहशत दिखाई दे रही है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परियावां सेकण्ड मे सोमवार की बीती रात अज्ञात चोरो ने विद्यालय के आँगनबाड़ी के अंदर बने रसोइया के कमरे का ताला तोड़कर मिड डे मील का एक गैस सिलंडर, दो भगौना, एक स्टील की बड़ी टंकी व तीन बोरी खाद्यान चुरा ले गये। सोमवार को स्कूल बन्द रहने पर मंगलवार की सुबह जब स्कूल का खुला तो अंदर के रसोइया का ताला टूटा पड़ा और सामान गायब देख हड़कंप मच गया घटना की जानकारी प्रधानाध्यापक अखिलेश्वर कुमार को फोन से अवगत कराया गया।

बच्चो को मंगलवार को मिड डे मील का मध्यान्ह भोजन की जगह केला सेव व बिस्कुट दिया गया 148 बच्चो मे 55 बच्चे उपस्थित रहे। रसोइया का सामान चोरी करने के लिए अज्ञात चोरो ने तीन दरवाजे का ताला तोड़ना पड़ा। मौके पर पहुँचे प्रधानाध्यापक ने घटना की तहरीर नवाबगंज पुलिस को दिया। पुलिस जाँच पड़ताल करने मे लगी हुई है।

बता दें कि बीते दस दिनों के अंदर चोरो ने तीन घटनाओ को अंजाम दिया जिसमे दुकान के बगल खड़ी साईकिल व लैपटाप को पलक झपकते ही नौ दो ग्यारह हो गये। चोरो के आंतक से ब्यापारियों मे आक्रोश है रात को पिकेट पुलिस की सायरन की आवाज भी लोगो को नही सुनाई पड़ती और न ही पुलिस गश्त दिखाई दे रही है जब कि अभी सर्दी की शुरूआत हो रही है। ऐसे मे चोरो के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे हैं।

आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ किशोरी के अपहरण को लेकर रविवार की रात केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पड़री निवासी रामकिशोर के पुत्र सुरेश कुमार गौतम ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती चैबीस नवम्बर को सुबह सात बजे उसकी सोलह वर्षीय पुत्री सृष्टि शौच को गयी थी। इस बीच गांव के ही प्रेमशंकर वर्मा का पुत्र अमित उसकी पुत्री को बहला कर अपहृत कर लिया है। पीड़ित ने पुत्री के साथ अप्रिय घटना घटित होने की आशंका जताई हैं । तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी अमित के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित का कहना है कि केस दर्ज किया गया है आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण

एंजिल्स इंटर कॉलेज में नेहरू युवा केंद्र द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में जे०एन० फाउंडेशन द्वारा एंजिल्स इंटर कॉलेज में आज युवा संवाद गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने विजयी प्रतिभागियों प्रथम द्वितीय तृतीय आने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारे युवा देश के भविष्य हैं। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पंच प्रण की जो शपथ छात्र-छात्राओं ने ली है उसे अमली जामा पहनाने में अपना सक्रिय योगदान करें उन्होंने पर्यावरण तथा स्वच्छता कार्यक्रम पर विशेष बल दिया। युवा संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एंजिल्स इंटर कॉलेज की प्राचार्य डॉ० शाहिदा बेगम ने आयोजन के लिए नेहरू युवा केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का सुनहरा अवसर मिलता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से प्रधानमंत्री के पंच प्रण पर निबंध लिखने का आवाहन किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व सहायक निदेशक सूचना आरबी सिंह ने अपने संबोधन में युवाओं को प्रोत्साहित किया। नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार विनय कुमार मिश्रा ने प्रधानमंत्री के पंचप्रण के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम का सफल संचालन राज्य प्रशिक्षक नेहरू युवा केंद्र के विश्वजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बृजेश शर्मा, श्याम नारायण पटेल ने विशेष योगदान दिया युवा संवाद में विद्यालय के छात्र-छात्रा ऋषि उपाध्याय प्रथम अनन्या सिंह दितीय तथा प्रवीण पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। युवा संवाद कार्यक्रम में विद्यालय के अंश त्रिपाठी ईमान आबाद तृषा यादव आदित्य मिश्रा आदि ने भाग लिया। प्रारंभ में उपस्थित छात्र छात्राओं को लेखाकार विनय कुमार मिश्रा ने प्रधानमंत्री जी के पंच प्रण की सपथ दिलाई तथा राष्ट्र गान के साथ सम्पन्न हुआ। जे०एन० फाउंडेशन के अध्यक्ष श्यामनरायण पटेल द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

अपर जिला जज ने शिशु गृह एवं बाल गृह शुकुलपुर का किया निरीक्षण, साफ-सफाई का दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं अब्दुल शाहिद जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार आज अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार बरनवाल ने बाबा राम उदित सेवा संस्थान द्वारा संचालित शिशु गृह एवं बाल गृह शुकुलपुर का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर शिशु गृह में रखे गए बच्चों को देखा और उन बच्चो के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त किया। इस अवसर पर मौजूद शिशु गृह अधीक्षक अरविन्द कुमार मिश्र ने बताया कि शिशु गृह एवं बाल गृह में कुल 12 बच्चे रखे गए हैं जिसमे शून्य से 6 माह की उम्र के 6 बच्चे है जिसमे सबसे छोटी लड़की 18 दिन की है जो कंधई थाना क्षेत्र में लावारिस मिली थी , 6 माह से अधिक 10 वर्ष उम्र के बीच वाले कुल 6 बच्चे है। संस्था में कुल 14 कर्मचारी कार्यरत है जिसमें निरीक्षण के समय कुल 9 कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बताया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु समय समय पर डा0 रवि श्रीवास्तव, डा0 शिव मूर्ति मौर्य बाल गृह में आते रहते हैं। बताया गया की बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार लावारिस और अनाथ बच्चों को शिशु गृह बाल गृह में रखा जाता है। एक बच्चा सोनू जिसकी उम्र 8 वर्ष है वह झारखण्ड राज्य का है उसके बारे में बताया गया कि उसे पुलिस द्वारा बाल कल्याण समिति के आदेश पर यहां रखा गया है उसके घर वालो को भी सूचना हो गई है। बताया गया कि सन 2010 से संस्था संचालित हो रही है वर्ष 2018 में संस्था को मान्यता प्राप्त हुई। संस्था को जन सहयोग की आवश्यकता बताई गई जिससे संवासित बच्चों का और अच्छी तरह से देख रेख किया जा सके। सचिव द्वारा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि शिशु गृह एवं बाल गृह में रखे गए सभी बच्चों की साफ सफाई, उनके स्वास्थ्य, खाने पीने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर पैनल एडवोकेट विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, अधीक्षक अरविन्द कुमार मिश्र, बाल कल्याण अधिकारी स्मृति मिश्रा सहित अध्यापिका सुनीता शुक्ला, शिवपति, पूजा, ननका आदि मौजूद रहे।

बाल गृह का निरीक्षण करते अपर जिला जज।

एसपी ने लीलापुर निरीक्षक का किया स्थानांतरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा निरीक्षक का स्थानान्तरण तात्कालिक प्रभाव से किया है। एसपी ने निरीक्षक नीरज कुमार यादव प्रभारी निरीक्षक थाना लीलापुर का स्थानांतरण किया है। इसे लेकर पुलिस महकमे में हलचल मचा हुआ है।

ओटीएस योजना शिविर में 42 उपभोक्ताओं ने कराया पंजीकरण, छह लाख रुपये का बिल जमा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के सदहा विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत गंधियावा गांव में एक एक मुफ्त समाधान योजना शिविर का आयोजन समाजसेवी नरेंद्र पांडे के आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें आसपास क्षेत्र के कुल 42 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, वहीं 10 नए लोगों ने कनेक्शन लेते हुए उपभोक्ताओं को प्रेरित कर 6 लाख रुपये का बिल जमा कराया गया।

विद्युत महकमे की तरफ से इस समय एक मुफ्त समाधान योजना के अंतर्गत सौ फीसदी विद्युत सरचार्ज माफ का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विद्युत विभाग के आवाहन पर गंधियावा गांव के समाजसेवी नरेंद्र पांडे ने अपने आवास पर एक मुफ्त समाधान योजना का लाभ उठाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

जहां पर मंगलवार को सैकड़ो लोग पहुंचे। जेई अमित पाल ने बताया कि कुल 42 उपभोक्ताओं ने एक मुफ्त समाधान योजना के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन करवाया है, वही कुल 10 नए लोगों ने घरेलू विद्युत का कनेक्शन भी लिया तो 6 लाख रुपए का बिल भी जमा कराया गया है। उन्होंने बताया कि बड़े बकायेदार इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा सकते हैं। शिविर में जेई अमित पाल, समाजसेवी नरेंद्र पांडे, लाइनमैन रोहित सिंह, आशीष सिंह, जितेंद्र सिंह, जटाशंकर तिवारी, मानिकचंद्र के साथ-साथ ग्राम प्रधान पूरेबंशीधर रमाशंकर तिवारी, रामकिशोर मिश्रा, अविनाश पांडे, श्याम सुंदर मिश्रा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे। समाजसेवी नरेंद्र पांडे ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

ओटीएस योजना शिविर में पंजीकरण कराते उपभोक्ता।

शासन के फरमान पर धार्मिक स्थलों से हटवाये गये साउण्ड, हड़कम्प

लीलापुर पुलिस ने साउण्ड के दुरूपयोग पर एक आरोपी के खिलाफ दर्ज किया केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शासन के निर्देश पर रविवार को लालगंज कोतवाली पुलिस ने मंदिरों तथा मजिस्दों में बिना अनुमति के अधिक आवाज की क्षमता के साउण्ड हटवाये जाने का अभियान चलाया। इसके तहत क्षेत्र से पुलिस ने डेढ़ दर्जन से अधिक साउण्ड अनाधिकृत रूप से धार्मिक स्थलों पर पाये जाने पर इन्हे जब्त कर लिया। पुलिस के अभियान से इलाके में हड़कम्प का माहौल दिखा।

एसपी संतपाल अंतिल के कड़ें निर्देश के तहत अभियान की अगुवाई प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित स्वयं करते दिखे। वही लीलापुर थाना क्षेत्र में सीओ रामसूरत सोनकर की देख रेख में पुलिस ने आठ स्थानों से क्षमता से अधिक साउण्ड पाये जाने पर इन्हे हटवा दिया। बता दें कि शासन की अनुमति के बिना इधर फिर धार्मिक स्थलों पर क्षमता से अधिक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग होने से लोगों को असुविधा हो रही थीं। शासन ने हाईकोर्ट की सख्ती को देखते हुए प्रशासन को कडा फरमान भेजा।

इस बावत सीओ लालगंज रामसूरत सोनकर का कहना है कि यह अभियान लालगंज सर्किल क्षेत्र में कड़ाई से संचालित होगा। उन्होने धर्मगुरूओं से स्वयं पहल कर अभियान में सहयोग भी मांगा है। वही लीलापुर पुलिस ने एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से अधिक साउण्ड को लेकर एक आरोपी के खिलाफ केस भी दर्ज किया है। पुलिस द्वारा केस दर्ज होने की जानकारी होने पर इलाके में हड़कम्प भी मच गया।

मैजिक चालक से लुटेरों ने छीना महंगा मोबाइल फोन

प्रतापगढ़। रतीपुर हनुमान मंदिर के समीप दिनदहाड़े लूट से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया। स्कूली मैजिक के चालक से मोबाइल छीनकर लुटेरे भगा निकले। एस०एस० कान्वेंट स्कूल बहलोलपुर के बच्चों को चालक घर से स्कूल लेके जा रहा था। बिना नंबर प्लेट टीवीएस राइडर बाइक सवार बदमाशों ने घटना का अंजाम देकर फरार हो गये। पीड़ित विपिन पाल की सूचना पर 112 पुलिस ने थाने में लिखित सूचना देने की बात कही। तहरीर पाकर घटनास्थल पर देल्हूपुर थानाध्यक्ष धनंजय राय मौके का जायजा लेकर सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गये।

दिव्यांग महिला की मौत के मामले में दो गिरफ्तार

चौकी इंचार्ज, छह सिपाही, लेखपाल व कानूनगो निलम्बित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। चिलबिला में चर्चित दिव्यांग महिला की मौत के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये लोगों में राजशेखर एवं अजय उर्फ श्याम यादव बताए जाते हैं। शेष अभियुक्तों की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। बता दें कि तीन दिन पहले दिव्यांग महिला जो ब्यूटी पार्लर की दुकान से अपना जीवन यापन कर रही थी, गलत तरीके से दुकान से बेदखल करने के मामले में पुलिस और राजस्व कर्मियों द्वारा बरती गई लापरवाही में चैकी इंचार्ज चिलबिला, छह सिपाही, क्षेत्रीय लेखपाल व कानूनगो निलम्बित किये जा चुके हैं। एसपी सतपाल अंतिल के सख्त तेवरों से जहां पुलिस विभाग में हड़कंप है, वहीं जिलाधिकारी संजीव रंजन ने भी लेखपाल और कानूनगो को निलम्बित कर दिया है। इससे लेखपालों की मनमानी पर अंकुश जरुर लगेगा।

कृषकों को सिंचाई के बारे में वैज्ञानिकों द्वारा दी गयी तकनीकी जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पर ड्राप मोर क्राप (माइक्रोइरीगेशन) योजना वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण को कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी प्रतापगढ़ के कैम्पस में आयोजित किया गया है जिसमें कृषकों को सिंचाई के बारे में वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा द्वारा जनपद के आये हुए कृषकों तथा वैज्ञानिकों का अभिनन्दन करते हुए कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। गोष्ठी में डॉ0 अतुल कुमार यादव कुमारगंज विश्वविद्यालय अयोध्या ने लगातार गिरते जल स्तर को बनाये रखने के लिए ड्रिप एवं स्प्रिंकलर पद्धति अपनाने की सलाह दी। डॉ0 भाष्कर शुक्ला कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0 कालाकांकर ने बागवानी फसलों में ड्रिप/स्प्रिंकलर पद्धति के महत्व पर चर्चा किया तथा डॉ0 अखिलेश कुमार श्रीवास्तव मुख्य वैज्ञानिक के0वी0के0 कालाकांकर प्रतापगढ़ ने रासायनिक खाद एवं उर्वरक का प्रयोग ड्रिप/स्प्रिंकलर पद्धति से करने की सलाह दी। अन्त में जिला उद्यान अधिकारी द्वारा विभाग में सचांलित समस्त योजनाओं पर प्रकाश डाला और लोगों से आहवान किया कि आप स्वंय के साथ अन्य लोगों को भी उद्यान विभाग की योजनाओं के बारे में बताये। कार्यक्रम का संचालन मो0 फाजिल उद्यान निरीक्षक द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार योजना प्रभारी तथा विभाग के समस्त कर्मचारी मौजूद थे।

व्यापारी की पत्नी के निधन पर जताया गया शोक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय लालगंज नगर पंचायत की बाजार के प्रतिष्ठित व्यापारी तथा शीतलमऊ वार्ड निवासी हनुमत सिंह की पत्नी ऊषा सिंह का गम्भीर बीमारी के चलते सोमवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। वह युवा व्यापारी सौरभ सिंह की माँ भी थी। वरिष्ठ व्यापारी की पत्नी की निधन की जानकारी होने पर बाजार में शोक छा गया। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष बीएन सिंह, सभासद दारा सिंह, सभासद संजय सिंह, साहित्यकार संतोष सिंह, धीरेन्द्र मणि शुक्ल, मनोज सिंह, पूर्व प्रधान साधु सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता विकास मिश्रा, पूर्व बीडीसी गीता सिंह, डॉ0 ओम प्रकाश जायसवाल, दिनेश सिंह, श्रवण सिंह , अजय सिंह आदि ने ऊषा के निधन पर शोक जताया।

भण्डारे में उमड़े श्रद्वालु, कथा व्यास देवव्रत का हुआ सम्मान

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के भेभौरा गांव में सोमवार को भण्डारे में श्रद्वालुओं ने भगवान द्वारिकाधीश का प्रसाद चखा। इसके पूर्व यहॉ भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में क्षेत्रीय लोगों ने कथा व्यास आचार्य देवव्रत जी महाराज का सारस्वत अभिनन्दन किया। साहित्यकार विशाल मूर्ति मिश्र तथा केशवराम ओझा ने आचार्य देव व्रत को मान पत्र सौपा। जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्र ने भी व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। कार्यक्रम में भागवत भूषण पं0 विनय शुक्ल तथा संस्कृत विद्वान डॉ0 शक्तिधर नाथ पाण्डेय ने भी धर्म की महत्वतता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक राम विशाल द्विवेदी व केदार नाथ द्विवेदी ने श्रद्वालुओं का रोली टीका कर अभिषेक किया। वरिष्ठ अधिवक्ता विकास मिश्र व युवा समाज सेवी मोनू पाण्डेय का सम्मान कार्यक्रम के संयोजन में सराहनीय योगदान दिखा। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मानस मर्मज्ञ पं0 रामफेर पाण्डेय, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, आचार्य राजेश मिश्र, समाजसेवी राजेन्द्र दुबे, साहित्यकार अंजनी अमोघ, राकेश तिवारी गुड्डू, दिनेश सिंह, संजय सिंह, सुनील सिंह मोनू आदि रहे।

केपीएस फिएस्टा 5 चैंपियंस ट्रॉफी का विजेता बना एनडी कॉन्वेंट स्कूल

म्यूजिकल चेयर प्रतिस्पर्धा में एनडी की अभिभावक सीमा देवी बनी स्कूटी विजेता एवं केपीएस के अभिभावक सूरज यादव बने बाइक विजेता

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। भीटी स्थित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल और कॉलेज के प्रांगण में रिद्धि सिद्धि ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के सभी कॉलेज कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भरवारी ,कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भीटी एवं एनडी कन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज भरवारी के बीच वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सभी टीमों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया आज कार्यक्रम के समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी (पूर्व कुलपति बनारस हिंदू विश्वविद्यालय एवं वर्तमान सदस्य उत्तर प्रदेश हायर एजुकेशन काउंसिल चेयरमैन) एवं संस्थान के अध्यक्ष पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरूआत किया सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन केपीएस भीटी के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य तौर पर सरस्वती वंदना ,गणेश वंदना, छोटी सी प्यारी सी एक्ट जो की किडजी शिक्षक के बच्चों द्वारा किया गया उसके उपरांत आर्मी एक्ट ,हरियाणा डांस, सेफ गर्ल्स एक्ट के माध्यम से समाज को बच्चियों के सुरक्षा एवं शिक्षा का संदेश दिया गया वहीं

जूनियर सेक्शन के बच्चों के द्वारा मैं निकला गड्डी लेकर डांस मंच के माध्यम से दिखाया गया जिसमें उपस्थित दर्शक दीर्घा में सभी जनमानस झूम उठे ,आर्मी एक्ट जो की केपीएस भरवारी के बच्चों द्वारा किया गया ,राजस्थानी एक्ट केपीएस भीटी के बच्चों के द्वारा, पेट्रियोटिक सॉन्ग, पंजाबी मैशअप आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मंचन करके दिखाया वही इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर गिरीश चंद्र त्रिपाठी ,अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता वाइस चेयरपर्सन सपना गुप्ता फाउंडर देव बाबू गुप्ता डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ केपीएस फिएस्टा 5 के मुख्य खेल में बनाना रेस , हर्डल रेस, 1 लेग रेस, बैलेंस रेस, बकेट रेस,बटरफ्लाई रेस, जोड़ा रेस , फ्रॉग रेस, 50 मीटर 5 रेस, 100 मी रेस, 200 मी रेस, 400 मीटर रेस ,400 मीटर रेस, 4x100 m , रिले रेस, लॉन्ग जंप, बैडमिंटन, जैवलिन, डिस्कस, ,चेस, वॉलीबॉल आदि आदमी तीनों स्कूल के छात्राओं ने बढ़-चढ़ के हिस्सा लिया और उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा किया इस एनुअल स्पोर्ट्स मीट केपीएस फिएस्टा 5 की सबसे बड़ी विशेषता अभिभावकों का प्रतियोगिता में भाग लेना और म्यूजिकल चेयर प्रतिस्पर्धा के माध्यम से पुरुष अभिभावक को इनाम स्वरूप बाइक एवं महिला अभिभावक को स्कूटी दिया गया स्कूटी विनर एनडी कन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज की अभिभावक सीमा देवी रही एवं बाइक विनर केपीएस भरवारी के अभिभावक सूरज यादव रहे वहीं अभिभावकों की टैग आफ वार वार प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ जिसमें पुरुष प्रतिस्पर्धी में विनर केपीएस के अभिभावक रहे एवं महिला प्रतिस्पर्धी में एनडी कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज की महिला अभिभावक रही खेलकूद के इस महाकुंभ में अभिभावक छात्र एवं छात्राएं शिक्षक एवं शिक्षकों एवं उपस्थित जनमानस में गजब उत्साह दिखाई दे रहा था और पूरी ऊर्जा के साथ प्रतिस्पर्धा में भाग ले रहे थे केपीएस फिएस्टा 5 2023- 24 आयोजन के विजेता एनडी कान्वेंट स्कूल एंड कॉलेज भरवारी रही एवं उपविजेता केपीएस भरवारी रही इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने अपने अभिभाषण के दौरान कहा कि किसी भी कार्य को सफल करने के लिए सफल करने के लिए समर्पण ,कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है आप सभी कठिन परिश्रम करें और देश का नाम ऊंचा करें आप ही में से कोई डॉक्टर है कोई इंजीनियर है कोई देश का प्रधानमंत्री है कोई वैज्ञानिक है यह तभी संभव है जब आप अपने शिक्षा प्राप्त करने के प्रति गंभीर और समर्पित रहेंगे वही संस्थान के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और शिक्षा के प्रति एकाग्रता बढ़ती है केपीएस फिएस्टा 5 के इस सफल आयोजन के लिए श्री गुप्ता जी ने समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को बधाई दिया संस्थान की डॉक्टर श्रीमती सीमा पवार ने वहां उपस्थित समस्त अभिभावकों का अभिवादन किया और अपने संदेश में कहा कि खेलकूद के आयोजन से बच्चों के अंदर उत्साह का संचार होता है और शारीरिक विकास के साथ ही साथ मानसिक विकास भी होता है इस कार्यक्रम में मुख्य तौर पर वाइस चेयरपर्सन सपना गुप्ता फाउंडर देव बाबू गुप्ता संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर मयंक मिश्रा कोऑर्डिनेटर प्रखर किडजी प्रिंसिपल नेहा गुप्ता कोरियोग्राफर दीपक डांस पीटीआई अखिलेश संस्कृति त्रिपाठी नारायण सुजीत विकास रेफरी उद्धव शशांक श्रीवास्तव सौरभ सिंह बद्री विशाल शुक्ला सुमन कुशवाहा आदि समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अवैध तरीके से संचालित तीन अस्पताल सीज

कौशाम्बी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन मे डा० हिन्द प्रकाश मणि, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं डा0 कृष्ण देव सिंह उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी की संयुक्त टीम ने मुख्यालय मंझनपुर के अपंजीकृत/बिना नवीनीकरण के संचालित निजी चिकित्सालयों का भ्रमण करते हुये कार्यवाही की गयी। सर्वप्रथम टीम मिड सिटी हास्पिटल, ओसा रोड मंझनपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय डा० वीरेन्द्र मौर्या जो कि सामु० स्वा० केन्द्र, कडा कौशाम्बी मे आयुष चिकित्सक के पद पर संविदा पर कार्यरत है, उपस्थित मिले। इस बावत डा० हिन्द प्रकाश मणि द्वारा उनसे अपनी ड्यूटी पर उपस्थित न होकर प्राइवेट हास्पिटल संचालित करने पर पूछा गया तो उनके द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नही दिया गया। डा0 वीरेन्द्र से मिड सिटी का पंजीकरण /नवीनीकरण प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने को कहा गया तो उनके द्वारा नही प्रेषित किया जा सका। तत्कम मे डा0 हिन्द प्रकाश मणि, उप मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा मिड सिटी हास्पिटल का नवीनीकरण न होने पर सील कर दिया गया। इसके बाद टीम फार्च्यून हास्पिटल, ओसा रोड, मंझनपुर पहुँची। जहाँ प्रबंधक से हास्पिटल का पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने को कहा गया, किन्तु उनके द्वारा नही दिखाया जा सका। फार्च्यून हास्पिटल पंजीकरण न होने पर सीलिंग की कार्यवाही की गयी। इसके बाद प्रत्यूष हास्पिटल, ओसा रोड, मंझनपुर कौशाम्बी का निरीक्षण किया। प्रत्यूष हास्पिटल मे प्रबंधक से पंजीकरण प्रमाण पत्र दिखाने को कहा गया। जिसमे यह पाया गया कि उक्त हास्पिटल का नवीनीकरण नही हुआ है। बिना

नवीनीकरण के संचालित होने पर प्रत्यूष हास्पिटल को टीम द्वारा सील किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० सुष्पेन्द्र ने मीडिया के माध्यम से ऐसे समस्त संचालकों जो कि बिना पंजीकरण /नवीनीकरण कराये अवैध रूप से चिकित्सीय कार्य मे लिप्त है को कडी चेतावनी देते हुये सचेत किया है कि वे तत्काल अपने-अपने प्रतिष्ठानों का पंजीकरण/ नवीनीकरण करा लें। यदि टीम के निरीक्षण मे कोई भी चिकित्सा प्रतिष्ठान अवैध रूप से संचालित पाये जाते है तो उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि डा० वीरेन्द्र के विषय मे कई शिकायतें प्राप्त हो रही थी कि वे अपनी ड्यूटी मे न जाकर प्राइवेट प्रैक्टिस करतें है उसका प्रमाण भी आज प्राप्त हो गया है। डा० वीरेन्द्र के विरूद्ध संविदा कर्मचारी मानव संसाधन नीति के तहत जो भी नियमानुसार कार्यवाही होगी की जायेगी।

विभिन्न समस्याओं को लेकर सेंगरहा गांव में एक जुट हुए किसान

किसानों की समस्याओं पर ध्यान ना दिया गया तो किसान सड़क पर उतरकर धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार की पोल खोलने का कार्य करेंगे

कौशाम्बी। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के पदाधिकारी किसानों की समस्या को लेकर सरसवां विकास खण्ड के सेंगरहा गांव में जिला अध्यक्ष राम अभिलाष उर्फ चंदू तिवारी के दिशा निर्देश में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में खाद एवं गेहूं के बीज की कालाबाजारी तथा नहर में पानी ना आने के कारण गेहूं की फसल बुआई में किसान तेजी से फिछड़ रहे हैं इन सभी मुद्दों को उठाया गया। नहर में तत्काल पानी छोड़े जाने और सोसायटी में पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज ना मिलने के कारण बैठक के माध्यम से अधिकारियों को अवगत कराया। टिकैत गुट के कौशाम्बी जिला प्रवक्ता चंद्रभूषण सोनी ने कहा सरकार द्वारा समय से डीएपी खाद एवं गेहूं बीज ना मिलने के कारण किसान निजी दुकानों से ज्यादा मूल्यों पर खाद एवं बीज खरीद रहे हैं जिसके कारण किसानों को आर्थिक हानि झेलना पड़ रहा है।

इसी दौरान उन्होंने आगे कहा कि यदि समय रहते किसानों की समस्याओं पर ध्यान ना दिया गया तो किसान सड़क पर उतरकर धरना प्रदर्शन के माध्यम से किसानों के प्रति बेपरवाह सरकार की पोल खोलने का कार्य करेंगे। बैठक में ग्राम प्रधान सेंगरहा के द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को भी किसानों ने उठाया। बैठक में मुख्य रूप से अशोक दुबे संगठन मंत्री, दयाशंकर तिवारी, मनीष कुमार, हुबराज प्रजापति, देवी दयाल कैचर, संतलाल तिवारी, छोटकू धोबी, नर्मदा सोनी, रामदास पासी, शांति देवी, अनारकली, गीता देवी सरोज, शांति देवी, गुलाब सोनी, बालमुकुंद यादव सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

न्यूज झरोखा

अलवारा झील के सौदर्न्यीकरण के लिए शासन से मिली धनराशि

जिलाधिकारी ने की जिला पर्यावरण वृक्षारोपण जिला गंगा समिति वन बन्दोबस्त समिति की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय में जिला पर्यावरणीय समिति/वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं वन बन्दोबस्त समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकाय में एम0आर0एफ0

सेंटर के संचालन के लिए अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर एम0आर0एफ0 सेंटर का संचालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने ई0ओ0 को गंगा आरती स्थल की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित रखने तथा प्रभागीय वनाधिकारी को गंगा आरती स्थल की स्थायी आधार-भूत संरचना बनाये जाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी आर0एस0 यादव ने बताया कि 05वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2023 के लिए चिन्हित 10 श्रेणियों में प्रस्ताव जाना है, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर सभी श्रेणियों में प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि अलवारा झील के सौदर्न्यीकरण कराने के लिए शासन स्तर से धनराशि प्राप्त हुआ है, जिस पर जिलाधिकारी ने नियमानुसार कार्य कराने के निर्देश दिये है।

एमबीओ कालेज में दो दिवसीय खेल का किया गया आयोजन

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। सिराथू ब्लाक के झंडापुर में स्थित एम बी ओ कालेज में मंगलवार को दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें खो खो में नौसीन प्रथम और सुधा द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर की हुई दौड़ में मोहम्मद

शोएब प्रथम, तहरीन द्वितीय व अशोक कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कब्बड़ी प्रतियोगिता में शकील , नूर अली, अकरम, फरहान, अशोक, अश्वनी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासचिव बसपा नन्हे सिंह ने जीते हुए प्रतिभागियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल के प्रबंधक असहद रजा भी उपस्थित रहे । पुरस्कार वितरण के बाद उन्होंने कहा की इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपना सर्वस्व दमखम दिखाते हुए अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। उन्होंने सभी विजेताओं सहित स्कूल के समस्त बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कुलदीप, आकाश, राजेंद्र, बीनू, नेहा, आशा, नीतू, रेखा, प्रियंका, पुष्पा सहित स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उठे सवाल : जांच के नाम पर स्वास्थ्य विभाग का खेल, सीज अस्पताल हो रहे संचालित

कौशाम्बी। जिले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही पर सवाल उठ रहे है,जांच के नाम पर स्वास्थ्य विभाग पर खेल करने का आरोप लग रहा है,स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील किए गए अस्पताल फिर से संचालित हो रहे है,अस्पताल के बाहर का चैनल गेट सील है और अंदर स्टाफ मरीजों के इलाज कर रहे हैं,जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिला मुख्यालय मंझनपुर में जिला अस्पताल के पास दर्जनों अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन और बिना डॉक्टर के ही संचालित हो रहे हैं,जिसकी शिकायत पर सीएमओ के निर्देशन में डिप्टी सीएमओ डॉ हिंद प्रकाश मणि की एक टीम ने ऐसे कई अस्पतालो की जांच की और तीन अस्पतालो को नवीनीकरण न होने और कागजात नही दिखा पाने पर सील कर दिया,मिडसीटी हॉस्पिटल को भी सील किया गया लेकिन सील किये जाने के बाद भी इस अस्पताल में स्टाफ मरीजो का ईलाज जारी रखा हुआ है। अस्पताल में बाहर से चैनल गेट पर विभाग द्वारा सरकारी सील लगाए जाने के बावजूद इस अस्पताल में इलाज चल रहा है और मरीज अभी भी अस्पताल में भर्ती है।वही इस अस्पताल में कड़ा सीएचसी में तैनात संविदा आयुष डाक्टर वीरेंद्र मौर्य भी जांच टीम को मिले थे,जिनसे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्पष्टीकरण भी मांगा है,वही सील अस्पताल के अंदर बैठे हुए और आवाजाही करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाई पर सवाल उठ रहे है।

धर्मा देवी में रंगोली,स्लोगन और पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को किया जागरूक

उपजिलाधिकारी ने बच्चो के कार्यक्रम पर मेडल पहनाकर और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया

कौशाम्बी। धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में 28 नवम्बर को मतदाता पुनिरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता से सम्बंधित रंगोली,स्लोगन और पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी सिराथू प्रबुद्ध सिंह रहें। कार्यक्रम की शुरूवात माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गयी। छात्र/छात्राओं के द्वारा मतदान सम्बन्धी गीत,नाटक मंच पर प्रस्तुत किये गये। उपजिलाधिकारी ने बच्चो को उनके कार्यक्रम पर मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया । अपने सम्बोधन में उन्होंने मतदाता को जागृत करने के लिए बच्चो को एक सशक्त माध्यम बताया। विद्यालय में मतदाता जागरूकता पर आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता में प्राथमिक वर्ग में आकाश कुमार को प्रथम स्थान, आयुष कुमार को द्वितीय स्थान तथा लाडो को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।इसी प्रकार जूनियर वर्ग में नैतिक सिंह को प्रथम स्थान, रितिक सिंह को द्वितीय स्थान तथा शिवम कुमार को तृतीय स्थान इसी प्रकार सीनियर वर्ग

में अवनीश कुमार एवं अतुल कुमार को प्रथम स्थान, जीत गिरी, एवं दिया गिरि, पार्वती देवी को द्वितीय स्थान एवं रश्मि यादव एवं अनुप्रिया पाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को मंच पर मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।अन्त में छात्रों के लिये दिये गये संदेश में उन्होंने कठिन परिश्रम और लगन से पढ़ने के लिये प्रेरित किया जिससे जीवन मे सफलता प्राप्त होती हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक रामावतार त्रिपाठी,विद्यालय के प्रबंधक रामसुभग त्रिपाठी गुलाब सिंह (प्रधान प्रतिनिधि केन) चन्द्रकान्त पाण्डेय, आदि गणमान्य उपस्थित रहें। अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रामकिरण त्रिपाठी ने आये हुये समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रामशंकर सिंह ने किया।

नाबालिग बेटी के साथ मिलकर सराफा की दुकानों पर चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपनी नाबालिग बेटी के साथ मिलकर सराफा की दुकानों में चोरी करने वाली महिला को उसके नाबालिग बेटी के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है,पुलिस ने आरोपी महिला और उसकी नाबालिग बेटी के पास से लाखो के गहने बरामद किया है।पुलिस ने लिखापढ़ी कर दोनो मां बेटी को न्यायालय भेजा,जहा से उन्हे जेल भेज दिया गया। सराय अकिल थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला निशा पाठक अपनी नाबालिग बेटी के साथ सराफा की दुकानों पर जाकर वहा से चोरी करने की घटना को अंजाम देती थी,महिला और उसकी नाबालिग बेटी के शिकार सराफा दुकानदार की दुकान से गहने चोरी करने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई,जिसके आधार पर पुलिस ने महिला और उसकी नाबालिग बेटी को पकड़ लिया और पूछताछ की,पूछताछ के दौरान महिला के पास से पुलिस को लगभग 375 ग्राम सोने और चांदी के गहने बरामद हुए है।आरोपी महिला निशा पाठक के ऊपर पहले से भी कौशाम्बी सहित चित्रकूट जनपद में भी मामला दर्ज है। एएसपी समर बहादुर सिंह ने बताया कि मंझनपुर में एक सराफा व्यापारी की दुकान पर गहनों की चोरी हुई थी,चोरी कर समान ले जाने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई,जिसकी शिकायत व्यापारी ने पुलिस ने की थी,पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी महिला निशा पटक और उसकी नाबालिग बेटी को गिरफ्तार कर लिया और लिखापढ़ी कर जेल भेज दिया।

कौशांबी और फतेहपुर जिले के बॉर्डर पर बड़ा हादसा, एक लोगों की मौत कई लहूलुहान

कौशाम्बी। जिला के सीमावर्ती क्षेत्र में पड़ोसी जिला फतेहपुर के खागा कोतवाली अंतर्गत अमाव गांव के पहले नत्थू होटल पेट्रोल पंप के पास ढाबा से खाना खाकर सड़क के दूसरे साइड में पैदल जा ट्रेलर चालक और खलासी को तेजगति बाइक सवार ने मारी टक्कर हादसे में ट्रेलर चालक खलासी और बाइक सवार सड़क पर गिरे मछली लाद कर पीछे से आ रहे पिकअप वाहन ने ट्रेलर चालक खलासी और बाइक सवार को कुचला हादसे में एक लोगों की मौत कई गंभीर घायल बाइक सवार ट्रेलर चालक खलासी को कुचलने के बाद अनियंत्रित हुआ पिकअप चालक सड़क किनारे गड्ढे में पलटा पिकअप पलटने से पूरे सड़क पर बिखरी मछली हादसे में पिकअप चालक खलासी भी हुए घायल सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दोनों जिले की भारी पुलिस फोर्स घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे की जानकारी मिलते ही फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली और कौशांबी जिले के सैनी कोतवाली क्षेत्र के अझुवा चौकी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई है बचाव एवं राहत कार्य में लगी है सड़क पर दुर्घटना होने से काफी देर तक आवा गमन बाधित रहा और सड़क की एक लेन में काफी दूर तक लंबा जाम लग गया रहा।

शादी डॉट कॉम के नाम से फर्जी आईडी बनाकर फ्रॉड करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। शादी डॉट कॉम का बेबसाइड बना कर कुछ युवकों के द्वारा किशोरियों के साथ फ्राड करने का मामला एक हफ्ते पहले सामने आया कोखराज थाना क्षेत्र के एक कस्बे की एक किशोरी ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई थी मामले को गंभीरता से लेकर पुलिस ने छानबीन करना शुरू कर दी । जिसमें शादी डॉट काम के नाम से फर्जी आईडी बनाकर खुद को जज का बेटा,फैक्ट्री का मालिक आदि के नाम से कई महिलाओ से लाखो रुपए नगद,सोना सहित की धोखाधड़ी की थी,जिले के थाना क्षेत्र में पीड़ित महिलाओ द्वारा शिकायत के बाद ऐक्टिव हुई साइबर क्राइम पुलिस ने मामले की जांच की और दो शातिर युवकों को गिरफ्तार किया है। एएसपी समर बहादुर सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शादी डॉट कॉम के नाम से फर्जी आईडी बनाकर फ्रॉड करने वाले प्रयागराज के जीत यादव पुत्र अजय यादव एवम अमित गुप्ता पुत्र देव कुमार को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने शातिरो से एक एंड्रायड मोबाइल,एक की पैड मोबाइल और एक डेबिट कार्ड बरामद किया है।एएसपी ने बताया कि इससे इन शातिरों ने कई लोगो से कई लाख रुपए का फ्रॉड किया था।

उत्तर प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा ने अपने जिले के प्रभारी घोषित किए

नव नियुक्त प्रभारियो एवं सह प्रभारियों को दी गई बधाई

कौशांबी। उत्तर प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के प्रदेश अध्यक्ष तीरथ राज गुप्ता उर्फ गोल बाबू निवासी नेवादा ने एक विशेष मुलाकात में बताया कि महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने संगठन के विस्तार को लेकर जिले के प्रभारी एवं सह प्रभारी घोषित किए किए है। प्रभारियो में प्रमुख रूप से विजय वैश्य को वाराणसी, रतन केसरवानी मिजार्पुर, सीताराम केसरी चंदौली, श्रीश प्रसाद गुप्ता गाजीपुर, ज्ञानेंद्र प्रकाश गुप्ता कानपुर, राधेश्याम गुप्ता जिला प्रयागराज, सुशील कुमार केसरवानी लखनऊ, श्रीकांत केसरवानी प्रतापगढ़, दीपक कुमार केसरी म्योरपुर सोनभद्र, श्री लाल बाबू केसरी सोनभद्र, राजेश केसरवानी कौशांबी, रामचंद्र गुप्ता जौनपुर, अंशुल केसरवानी कर्वी, के प्रभारी घोषित किए गए और जिले के सह प्रभारी के रूप में रमेश चंद्र केसरवानी वाराणसी, सत्य प्रकाश गुप्ता मिजार्पुर, विनोद केसरी चंदौली, वीर बहादुर केसरी गाजीपुर, उमेश चंद्र केसरवानी कानपुर, अशोक कुमार गुप्ता जिला प्रयागराज, जय कृष्ण गुप्ता प्रतापगढ़, अभय केसरवानी कौशांबी, दीपक केसरी कर्वी के सह प्रभारी घोषित किए गए। मनोनीत किए गए सभी प्रभारी और सह प्रभारियो को शिवकुमार वैश्य, सतीश चंद्र केसरवानी, प्रदेश अध्यक्ष तीर्थराज गुप्ता, महामंत्री प्रमिल केसरवानी, नारायण केसरवानी, राजेंद्र केसरवानी सुरेश केसरवानी, विनोद केसरवानी, सुनील केसरवानी, धर्मेंद्र केसरवानी, राजेश केसरवानी ,लक्ष्मण प्रसाद केसरवानी, गोपाल जी केसरवानी, रामचंद्र गुप्ता, सुमित केसरवानी, अभिलाष केसरवानी, नीरज केसरवानी एवं संगठन के सभी पदाधिकारी कार्यकताओं वैश्य समाज के लोगों ने बधाई दी।

ग्राम पंचायत-मोगरी कड़ा एवं मकनपुरवारी में आयोजित हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा

कौशाम्बी। विकास खण्ड सिराथू की ग्राम पंचायत-मोगरी कड़ा एवं मकनपुरवारी तथा विकास खण्ड मंझनपुर की ग्राम पंचायत चक थाँभा में आज ह्वविकसित भारत संकल्प यात्राह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ह्वविकसित भारत संकल्प यात्राह्व कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं-आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना(ग्रामीण), पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल-जल जीवन मिशन, गॉवों का स्वामित्व, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं पीएम स्वनिधि

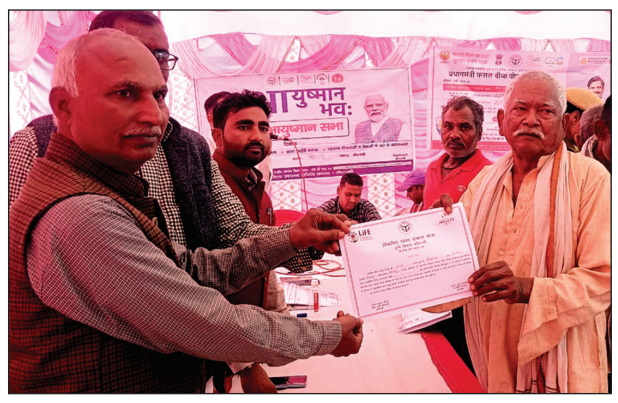

योजना आदि से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में बैंक के स्टॉल के माध्यम से कृषकों की ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, केसीसी एवं अन्य लोन से सम्बन्धित समस्याओं का निस्तारण किया। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों यथा-नैनो यूरिया के विषय में जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग एवं कृषि विभाग आदि विभागों के स्टॉल भी लगायें गयें। ह्वमेरी कहानी मेरी जुबानीह्वके तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी यथा भानु प्रकाश द्विवेदी एवं यशवन्त कुमार ने आदि ने योजना के लाभ से जीवन में आये परिवर्तन एवं उन्नति का अनुभव सभी से साझा किया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों ने प्रधानमत्री का रिकार्ड किया गया संदेश भी सुना।

गम्भीरा पूरब एवं मिजार्पुर जवई में 29 नवम्बर को आयोजित होगा विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम

कौशाम्बी। विकास खण्ड सिराथू की ग्राम पंचायत-गम्भीरा पूरब में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं मिजार्पुर जवई में 02 बजे से सायं 4:30 बजे तक दिनांक 29 नवम्बर 2023 को विकसित भारत संकल्प यात्राह्व कार्यक्रम का आयोजन किया जायेंगा। ह्वविकसित भारत संकल्प यात्राह्व कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी तथा छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं-आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना(ग्रामीण), पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल-जल जीवन मिशन, गॉवों का स्वामित्व, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना आदि से लाभान्वित किया जायेंगा। बैंक के स्टॉल के माध्यम से कृषकों की ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, केसीसी एवं अन्य लोन से सम्बन्धित समस्याओं का निस्तारण किया जायेंगा। समस्त सहकारी समितियों द्वारा अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाया जायेंगा तथा रासायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों यथा-नैनो यूरिया के विषय में जागरूक किया जायेंगा। स्वास्थ्य विभाग एवं कृषि विभाग आदि विभागों के स्टॉल लगायें जायेंगे। विभिन्न योजनाओं के सफल लाभार्थी ह्वमेरी कहानी मेरी जुबानीह्वके तहत अपने अनुभव/फीडबैक साझा करेंगे। वैन के माध्यम से प्रधानमत्री का रिकार्ड किया गया संदेश आमजन को सुनाया जायेंगा। विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियो प्रसारित किया जायेंगा। सत्त कृषि गतिविधियों पर सत्र-ड्रोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों/विषय विशेषज्ञों की वार्ता एवं चर्चा होगी। महिला एसएचजी सदस्यों/स्कूली छात्रों/स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों-ह्वधरती कहे पुकारह्व एवं स्वच्छता गीत आदि प्रस्तुत किये जायेंगे। स्थानीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेंगा।

संपादक की कलम से

राजस्थान में कौन बनेगा मुख्यमंत्री : सियासी चचाओं का बाजार गर्म

राजस्थान में किस पार्टी की सरकार बनेगी और कौन मुख्यमंत्री बनेगा, इसको लेकर गांव गुवाड़ से लेकर राजधानी तक सियासी पारा गर्म हो रहा है। राजस्थान में 75 फीसदी से ज्यादा वोटिंग के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे में जुटा है। विधानसभा चुनाव में भारी मतदान के बाद अब सबकी निगाह तीन दिसंबर को होने वाली मतगणना पर टिकी है। पांच साल में सत्ता बदलने का रिवाज बदलेगा या नहीं इस पर फैसला होना है। राजस्थान में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच है। 1993 में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से हर पांच साल में यहां सरकार बदलने का रिवाज रहा है। मुख्यमंत्री गहलोत रिवाज बदलने का दावा कर रहे है तो भाजपा को रिवाज कायम रहने का भरोसा है। खबरिया चैनल चुनाव से पूर्व अपने ओपिनियन पोल में भाजपा की बढ़त की भविष्यवाणी कर चुके है। सट्टा बाजार में भी भाजपा की जीत के बाजे बजाये जा रहे है। बहरहाल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों के नेता अपनी अपनी पार्टियों की सरकार बनने का दावा कर रहे है। राजस्थान में दोनों पार्टी के लगभग तीन दर्जन से अधिक बागी नेताओं ने मजबूती से चुनाव लड़ा है। बताया जा रहा है बहुत से बागी दोनों पार्टियों का राजनीतिक समीकरण बिगाड़ रहे है। यह दावा भी किया जा रहा है बिना बागियों के सहयोग के कोई भी पार्टी सरकार नहीं बना पायेगी।

भाजपा और कांग्रेस की बात करे तो निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं पर पूरा विश्वास है तो भाजपा को भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार और पेपर लीक के मुद्दों के साथ एंटी इंकमबेसी तथा नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर विश्वास है। दोनों पार्टियों के जीत के दावों के बीच मुख्यमंत्री कौन बनेगा इस पर समूचे प्रदेश में चर्चा हो रही है। कांग्रेस में मुख्य दावेदार निवर्तमान मुख्य मंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलेट है। हालांकि दोनों ही नेता मीडिया के सामने कांग्रेस हाई कमान पर फैसला छोड़ने की बात कर रहे है। कांग्रेस जीतती है तो गहलोत और पायलेट में घमासान होने की सम्भावना है। गहलोत कई बार प्रदेश की सेवा अनवरत करने की बात कह चुके है। वहीं पायलट ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा ये पार्टी का आलाकमान तय करेगा। इसके अलावा विधान सभा अध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने नामों की चर्चा भी सुनी जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी इस बार अपनी जीत के प्रति बहुत अधिक आशान्वित है। पिछले तीस सालों में हर चुनाव में सत्ता बदलती रही है। भाजपा की सरकार बनने पर आधा दर्जन नेता सीएम बनने की कतार में है। इनमें पूर्व मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे, राजेंद्र राठौड़ , गजेंद्र सिंह शेखावत, सतीश पूनिया, दिया कुमारी, किरोड़ी मीणा के नामों की चर्चा से सियासी बाजार गर्म है। भाजपा ने यह चुनाव बिना सीएम फेस के लड़ा था। इस चुनाव में नरेंद्र मोदी को ही भाजपा का मुख्य चेहरा कह सकते है। भाजपा में मुख्यमंत्री का फैसला प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। मोदी के मन की थाह लेना बड़ा मुश्किल में है। मोदी ने हरियाणा में जनाधार वाले नेताओं को छोड़कर एक नए चेहरे मनोहर लाल खट्टर को 2014 में मुख्यमंत्री बनाकर सियासी क्षेत्रों में धमाका कर दिया था।

यूपी में इस जगह गंगा के साथ कालिंदी नदी का होता है संगम, यहां स्नान करने से दूर होते हैं रोग!

यूपी के प्रयागराज में त्रिवेणी संगम के बाद कन्नौज एक मात्र ऐसा जिला है जहां 2 महान नदियों का संगम होता है. जानकारों की माने तो यहां करीब 5 से 7 नदियों का संगम होता है लेकिन कालिंदी और गंगा नदी का अद्भुत संगम साक्षात श्रद्धालुओं को दिखाई भी देता है. साल में कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान करने यहां लाखो की संख्या में देश भर से श्रद्धालु आते है. कन्नौज के मेहंदीघाट पर श्रद्धालु स्नान करते हैं. मान्यता है कि यहां स्नान करने पर सारी कई रोगों से छुटकारा भी मिलता है.

यहां करीब 5 से 7 नदियों का मिलन होता है लेकिन साक्षात आंखों से मां गंगा और कालिंदी नदी का मिलाप यहां पर साफ तौर से देखा जाता है. दोनों नदियों के जल में साफ अंतर दिखता है. कालिंदी नदी का जल हल्का सा काला होता है तो वही गंगा नदी का जल बिल्कुल सफेद दिखाई देता है. कार्तिक पूर्णिमा के दिन यहां स्नान करने से शरीर में होने वाले कई तरह के रोगों में इस जल के प्रताप से निजात मिलती है.

कई रोगों से मिलता है छुटकारा

पुजारी सुशील कुमार तिवारी और आनंद तिवारी बताते है कि साल में होने वाली कार्तिक पूर्णिमा के दिन यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं. आज के दिन यहां पर स्नान करने से शरीर में होने वाले चर्म रोग, मानसिक रोग एवं पुरानी बीमारियों से निजात मिलती है. वहीं भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा भी श्रद्धालुओं को प्राप्त होती है.

कालिंदी नदी का उद्गम

कालिंदी का उद्गम मुजफ्फरनगर जिले में है जहाँ यह ह्यनागनद्ध के नाम से विख्यात है. मुजफ्फरनगर तथा मेरठ जिलों में इसका मार्ग अनिश्चित रहता है. परंतु बुलंदशहर पहुँचकर यह निश्चित घाटी में बहती है तथा वर्ष भर इसमें जल रहता है. यहाँ इसे काली नदी कहते हैं जो ह्यकालिंदीद्ध का पारसी लेखकों द्वारा प्रयुक्त अपभ्रंश रूप है. यहाँ पर इसकी दिशा दक्षिण के बजाय दक्षिण-पूर्व हो जाती है. इसी ओर चलती हुई काली नदी कन्नौज में गंगा में मिल जाती है और जहाँ तक गंगा बहती है कालिन्द्री साथ साथ रहती है.

क्यों टूट जाती हैं सात जन्म की कसमें?

सनातन धर्म में, शुभ मुहूर्त में शादी का होना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन समय के साथ-साथ शादी के नियमों में बदलाव हो रहा है. अंबिकापुर के ज्योतिष पंडित योगेश नारायण मिश्रा बता रहे हैं कि कई बार शादी के दूसरे-तीसरे दिन ही तलाक की स्थिति बन जाती है, जिसके कई कारण हो सकते हैं.

पंडित योगेश नारायण मिश्रा ने ज्योतिष के माध्यम से बताया कि आजकल समाज में विवाह टूटने का प्रमुख कारण मुहूर्त का अभाव, मुहूर्त की अनदेखी और ज्योतिष परम्पराओं को नजरअंदाज कर देना है. हिंदू धर्म में तलाक या विवाह विच्छेद का स्पष्ट वर्णन नहीं है. विवाह को पक्का करने की प्रक्रिया, जिसे मिलापाक कहा जाता है, जिसमें 36 गुण होते हैं, जिनमें से 18 गुणों का मेल होना महत्वपूर्ण होता है. हालांकि, आज के समय में लोग इसे अनदेखा कर रहे हैं, जिसके कारण संबंध टूट रहे हैं.

शुभ मुहूर्त में शादी न होना

पंडित जी ने बताया कि विवाह में अच्छे मुहूर्त का चयन पंचांग के आधार पर किया जाता है. उन्होंने बताया कि मुहूर्त का अभाव या मुहूर्त की अनदेखी के कारण विवाह में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं. इसके लिए विवाह में मिलाप की प्रक्रिया में पंचेस्ट (पंचम के इष्ट के अभाव) का ध्यान रखना महत्वपूर्ण माना जाता है. यदि यह अभाव होता है, तो विवाह के बाद संबंध टूटने, लड़ाई, मन मुटाव और संतान की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं. उन्होंने मुहूर्त की महत्वपूर्णता को बताया और लोगों से कहा कि मुहूर्त का विशेष ध्यान देना चाहिए और इसके लिए पंडित जी की सलाह लेनी चाहिए. आजकल लोग होटल के हिसाब से शादी का समय तय कर रहे हैं, जिससे सही मुहूर्त का मिलाप नहीं होने की समस्या उत्पन्न हो रही है. उन्होंने यह भी कहा कि सही मुहूर्त में शादी करने से भी यदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं, तो समाज के लोग बैठकर ठीक कर लेते हैं.

क्यों इतनी घुमक्कड़ी करने लगे हिन्दुस्तानी

आर.के. सिन्हा

आप देश के किसी भी हवाई अड्डे या रेलवे स्टेशन पर चले जाएं, आपको वहां पर एक जैसा नजारा ही देखने में आएगा। उधर आने जाने वाले मुसाफिरों की भीड़ नजर आएगी। लगता है कि सारा देश ही घूमने के मूड में है। जैसे ही दफ्तरों में दो-तीन दिन के एक साथ अवकाश आते हैं तो लोग उन छुट्टियों में कुछ और छुट्टियों को जोड़कर किसी पर्यटक स्थल के लिए निकल जाते हैं। उन्हें समद्री तट से लेकर पहाड़ और अभयारण्यों से लेकर धार्मिक स्थल तक सबकुछ ही पसंद आ रहे हैं। एक बात और कि भारतीय सिर्फ देश के अंदर ही घूमकर संतुष्ट नहीं हैं। उन्हें देश से बाहर जाना भी अच्छा खासा रास आ रहा है। बुकिंग डॉट कॉम के एक निष्कर्ष के अनुसार, पिछले साल यानी 2022 में करीब दो करोड़ हिन्दुस्तानी देश से बाहर घुमक्कड़ी के लिए निकले। यह कोई छोटा-मोटा आंकड़ा नहीं है। भारतीय लंदन, पेरिस, दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन और दूसरे शहरों के अलावा केन्या, नाइजीरिया, तंजानिया, दुबई, सिंगापुर,वियतनाम, सिडनी मेलबोर्न, पर्थ, हॉगकॉग वगैरह जा रहे हैं। दुबई और सिंगापुर के बाजारों में घूमते हुए तो लगता है कि आप किसी भारतीय शहर में ही हैं। वहां पर हजारों भारतीय रोज पहुंच रहे हैं।

दरअसल आर्थिक उदारीकरण के बाद हिन्दुस्तानियों की आर्थिक स्थिति सुधरी तो उन्होंने भी मन ही मन दुनिया को देखने का फैसला भी कर लिया। अब हिन्दुस्तानी कमाए हुए पैसे को गांठ में बांधने भर के लिए राजी नहीं है। उन्हें तो घूमना है। याद नहीं आता कि अब से पहले कब हिन्दुस्तानी आजकल की तरह से घूमने के लिए घर से निकले थे। बेशक, दुनिया को जानने के लिए यायावरी जरूरी है। आप अगर घूमेंगे ही नहीं तो दुनिया को जानेंगे-समझेंगे कैसे। घुमक्कड़ी की चर्चा होगी तो राहुल सांकृत्यायन जी का नाम तुरंत जेहन में आएगा। वे सदैव घुमक्कड़ ही रहे। उनकी सन? 1923 से विदेश यात्राओं का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर इसका अंत उनके जीवन के साथ ही हुआ। ज्ञानार्जन के उद्देश्य से प्रेरित उनकी यात्राओं में श्रीलंका, तिब्बत, जापान और रूस की यात्राएँ विशेष रही थीं। वे चार बार तिब्बत पहुंचे। वहां लम्बे समय तक रहे और भारत की उस विरासत को जाना, जो हमारे लिए अज्ञात और विस्मृत हो चुकी थी। वे 1907 में घर से भागकर चार मास तक कोलकाता में रहे। वे काशी में भी रहे। उन्होंने वहां रहकर संस्कृत का अध्ययन किया। वे पैदल ही अयोध्या होते हुए मुरादाबाद पहुँचे और वहाँ से हरिद्वार गए। हरिद्वार से हिमालय, देवप्रयाग, टिहरी, यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा की। फिर प्रयाग की प्रदर्शनी देखने के लिए घर से निकल गए। गांधी जी भी बहुत बड़े घुमक्कड़ थे। वे रेलों से खूब सफर किया करते थे। घुमक्कडी के चलते उन्होंने देश के चप्पे- चप्पे को देखा और भारत को जाना। गुरु नानक देव जी ने 24 साल में दो उपमहाद्वीपों के 60 प्रमुख शहरों की पैदल यात्रा की। इस दौरान उन्होंने 28 हजार किमी का सफर किया। उनकी यात्राओं का मकसद समाज में मौजूद ऊंच-नीच, जात-पांत, अंधविश्वास आदि को खत्म कर आपसी सद्भाव, समानता कायम करना था। वे जहां भी गए, एक परमात्मा की बात की और सभी को उसी की संतान बताया। बाबा नानक अपनी पहली यात्रा के दौरान पंजाब से हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल, सिक्किम, भूटान, ढाका, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, चटगांव से होते हुए बर्मा (म्यांमार) पहुंचे वहां से वे ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और हरियाणा होते हुए वापस आए थे। तो भारत में प्राचीनकाल से ही यायावरी करने वाले रहे हैं।

यूं तो सारा भारत अब घुमक्कड़ हो चुका है, पर इस मोर्चे पर गुजराती और बंगाली बाकी से अब भी कुछ आगे ही हैं। आपको देश और देश से बाहर गुजराती पर्यटक मिलेंगे। गुजराती दुनियाभर में बसे भी हुए हैं।

अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक में। मुझे याद है कि एक बार मैं मिस्र की राजधानी काहिरा में पिरामिडों को निहार रहा था। वहां पर बहुत सारे गुजरती भी आ रहे थे बसों में। उनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। मैंने एक महिला से पूछा- ह्यक्या आप भारत के गुजरात प्रांत से हैं? उस महिला का उत्तर था- ह्यहम गुजराती हैं पर केन्या के।द्ध फिर उसने मुस्कराते हुए कहा कि ह्यहम लोग केन्या में दशकों पहले बस गए थे। हालांकि हमारी भाषा और संस्कार पूरी तरह से गुजरात की धरती के हैं।द्ध आप बंग भाषियों को भी दूर-सुदूर की खाक छानते हुए देखेंगे। खुशवंत सिंह कहते थे कि आप ज्ञान अर्जित दो तरह से कर सकते हैं- पहला, पढ़कर और दूसरा, घूमकर। यह बात पूरी तरह से सही है। आप जब किसी अन्य स्थान पर जाते हैं तो आपको वहां के लोगों के जीवन के विभिन्न पहलुओं को जानने का भी मौका मिलता है। घुमक्कड़ी किसी भी इंसान को समृद्ध बनाती है। मैं हाल के दौर में इस तरह के बहुत सारे लोगों के संपर्क में आया हूं, जो समय-समय पर देश के अलग-अलग भागों जाते हैं। कभी-कभी देश से बाहर निकल जाते हैं। उनसे बात करके लगता है कि घुमक्कड़ी उन्हें बेहतर इंसान बना रही है। घुमक्कड़ी का मतलब सिर्फ खानपाल ही नहीं होना चाहिए। हालांकि कुछ लोग इस लिए भी सफर पर निकल जाते हैं ताकि उन्हें भांति-भांति के डिशेज के साथ न्याय करने का मौका मिल जाता है। घुमक्कड़ी का लक्ष्य सिर्फ पेट पूजा नहीं होना चाहिए। आपको नई-नई जगहों के समाज और संस्कृति को भी समझना होगा।अगर भारत से लोग बाहर जा रहे हैं तो बाहर से भारत में पर्यटक आ भी रहे हैं। जानकारों के अनुसार, कोरोना के असर से ठीक एक साल पहले साल 2019 में भारत में लगभग 1. 93 करोड़ विदेशी पर्यटक आए। उसके बाद से भारत में विदेशी पर्यटकों के आने का सिलसिला 75 फीसद तक गिरा। चूंकि अब हालत सामान्य हो चुके है, इसलिए भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक को बढ़ाना होगा। भारत में ताजमहल, गुलाबी नगरी जयपुर, पहाड़ों की रानी दार्जिलिंग, असीमित जल का क्षेत्र कन्याकुमारी, पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर समेत अनगिनत अहम पर्यटन स्थल हैं। हमारे यहां भगवान बुद्ध से जुड़े अनेक अति महत्वपूर्ण स्थल हैं। भारत में बौद्ध के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्थलों के साथ एक समृद्ध प्राचीन बौद्ध विरासत है। आखिर हम बौद्ध की भूमि होने के बावजूद दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों को आकर्षित करने में क्यों असफल रहे। कुछ साल पहले तक राजधानी के दिल कनॉट प्लेस में बड़ी तादाद में विदेशी घूम रहे होते थे। अब यह वहां बड़ी मुश्किल से दिखाई देते हैं। कनॉट प्लेस के एक प्रमुख शो-रूम के स्वामी ने बताया कि कनॉट प्लेस में घूमने वाले भिखारी विदेशी पर्यटकों को बहुत परेशान करते हैं। इसलिए उन्होंने यहां आना ही बंद कर दिया है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर भारत को अपने यहां विदेशी पर्यटकों की आवक को बढ़ाना है तो उसे पर्यटकों के हितों का ध्यान देना होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

घरों में पुरुष पर होने वाली हिंसा की चिन्ता

- ललित गर्ग-

नये बन रहे समाज एवं पारिवारिक माहौल में अब महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी हिंसा के शिकार हो रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण है पुणे में रहने वाले एक संभ्रांत परिवार की महिला के घूंसे ने शनिवार को पुरुष की जान ले लेने का मामला। मामला घरेलू विवाद का था, लेकिन हिंसा के चरम पर पहुंचा और एक पत्नी के द्वारा पति की जान ले ली गयी। महिला के घूंसे ने परिवार एवं समाज में पनप रही नयी तरह की हिंसा को उजागर किया है। इस घटना ने अनेक प्रश्न खड़े कर दिये हैं। अब घरेलू हिंसा में पुरुष भी महिलाओं के शिकार होने लगे हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि पुरुषों के लिये महिलाओं की तरह घरेलू हिंसा के खिलाफ कोई कानून नहीं हैं। घरेलू हिंसा कानून की धारा 2(अ) के तहत परिवार के किसी पुरुष सदस्य, विशेष रूप से पति को कोई संरक्षण नहीं है। मद्रास उच्च न्यायालय यह मान चुका है कि पति के पास पत्नी के खिलाफ शिकायत करने के लिए घरेलू हिंसा जैसा कोई कानून नहीं है। निश्चित ही घर की चार दिवारी में महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी हिंसा, उत्पीड़न एवं उपेक्षा के शिकार होते हैं। बढ़ती इन घटनाओं के मामले निश्चित तौर पर अदालत के समक्ष फैसले के लिए आएंगे। क्या न्याय की चौखट पर पुरुषों को समुचित न्याय मिल पायेगा? क्योंकि अभी तक ऐसे कानूनों में महिलाओं का ही पक्ष उजागर होता रहा है। जब पुरुष पर होने वाले अत्याचार के लिये कानून में संरक्षण की जगह नहीं है, तो हिंसा के इन सभी स्तरों के पार होने पर उचित न्याय के लिये भारतीय दंड विधान में उचित कानूनी प्रावधानों एवं पुरुष संरक्षण की अपेक्षा महसूस की जायेगी। इसलिये अब ऐसे पूरे मामले पर घरेलू हिंसा के प्रकारों पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो गई है।

भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। ह्यसेव इंडियन फैमिली फाउंडेशनह्य और ह्यमाई नेशनह्य नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल के गृहस्थ जीवन में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी बात सामने आयी है पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के बीते साल सामने आए आंकड़े कहते हैं कि 18 से 49 साल की उम्र की 10 फीसदी महिलाएं कभी-न-कभी अपने पति पर हाथ उठाती हैं, वो भी तब जब उनके पति ने उन पर कोई हिंसा नहीं की। इन अत्याचारों एवं हिंसा को लेकर भादंवि में आपराधिक मामलों में कार्रवाई संभव है, इसके अलावा हिंदू मैरिज एक्ट से मुकदमा चलाया जा सकता है। लेकिन इससे पुरुषों को बहुत अधिक कानूनी संरक्षण नहीं मिल पाता है।

वर्तमान दौर में काफी मामलों में परिवारों का बिखरना घरेलू हिंसा का परिणाम माना जाता है। घर की आर्थिक जरूरतें, स्वच्छंद जीवनशैली एवं भौतिकतावादी सोच के कारण पति-पत्नी के बीच तनाव अनेक शक्ल में उभरने लगा है जो हिंसा तक पहुंच जाता है। संभव है कि पुणे की घटना भी ऐसे ही किसी छोटे मामले का क्रूर एवं हिंसक निष्पति हो। छोटे मामले तो हर घर की कहानी बनने लगे हैं, लेकिन ऐसे मामले तब ही प्रकाश में आते हैं, जब कोई बड़ी घटना-दुर्घटना होती है। ऐसे में संयम, समझ, विवेक, समझौता और सीमाओं की समाज में चर्चा और आवश्यक हो चली है, आकांक्षा-महत्वाकांक्षा अनंत हो सकती हैं, किंतु उन पर नियंत्रण ही शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। दुर्भाग्य से यह समाज में गौण हो चला है और उसके घातक परिणाम सामने आ रहे हैं, जिस पर गहन चिंतन-मनन आवश्यक है। यह हिंसा का दौर परिवार की अवधारणा को न केवल बदल रहा है, बल्कि परिवाररूपी संस्था के अस्तित्व को ही नष्ट करने पर तुला है।

हरियाणा में हिसार के रहने वाले एक शख्स का वजन शादी के बाद कथित तौर पर पत्नी के अत्याचार की वजह से 21 किलो घट गया। इसी के आधार पर उसे हाईकोर्ट से तलाक की मंजूरी मिल गई। ऐसे मामले बढ़े हैं। बहुत से लोगों के लिए ये सोचना भी अविश्वसनीय है कि पुरुषों के साथ हिंसा होती है। वजह ये है कि पुरुषों को हमेशा से मजबूत और ताकतवर माना जाता रहा। साल 2019 में ह्यइंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिनद्ध की रिसर्च के अनुसार हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में 21-49 वर्ष की उम्र के एक हजार विवाहित पुरुषों में से 52.4 फीसद ने जेंडर आधारित हिंसा का अनुभव किया। इन आंकड़ों को देख लगता है कि जब संविधान लिंग, जाति और धर्म के आधार पर किसी तरह का फर्क स्वीकार नहीं करता, तो क्यों घरेलू हिंसा से सुरक्षा अधिनियम पुरुष को सुरक्षा नहीं देता? जबकि विकसित देशों में जेंडरलेस कानून वहां के पुरुषों को न केवल महिलाओं की तरह घरेलू हिंसा से प्रोटेक्शन देता है, बल्कि इस बात को भी स्वीकार करता है कि पुरुष भी प्रताड़ित होते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पुरुषों की आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में दो गुने से भी ज्यादा है। इसके पीछे तमाम कारणों में पुरुषों का घरेलू हिंसा का शिकार होना भी बताया जाता है, जिसकी शिकायत वो किसी फोरम पर कर भी नहीं पाते हैं। साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन की ओर से टेलीफोनिक सर्वे किया गया। इस दौरान इंदौर की पौरुष संस्था और राष्ट्रीय पुरुष आयोग समन्वय समिति दिल्ली को भी पुरुष हेल्पलाइन पर कई शिकायतें मिली। इसमें पाया गया कि लॉकडाउन के दिनों में पत्नियों द्वारा अपने पतियों को प्रताड़ित करने के मामलों में 36 फीसदी की बढ़ोतरी हुई क्योंकि कई पुरुष काम छोड़कर घर पर बैठ गए, या फिर ऑफिस बंद होने से वर्क फ्रॉम होम करने लगे। ऐसे में वे पत्नियों के रवैये से डिप्रेशन में रहने लगे।

इन हालातों में दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीड़ित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों पर अधिक उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की भी बात की जा रही है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं पुरुषों का विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है, तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92

शारीरिक निष्क्रियता मृत्यु दर का सबसे बड़ा जोखिम कारक

बाल मुकुन्द ओझा

निष्क्रियता जीवन में अनेक खतरों को जन्म देती है। जो व्यक्ति शारीरिक रूप से निष्क्रिय होता है और कोई शारीरिक गतिविधि या व्यायाम नहीं करता है वह एक गतिहीन जीवन शैली जीने वाला व्यक्ति कहलाता है। ऐसा व्यक्ति लेटा रहता है या सामाजिक मेलजोल, टीवी देखने, वीडियो गेम खेलने, पढ़ने या मोबाइल फोन या कंप्यूटर का उपयोग करने जैसी गतिविधियों में व्यस्त रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनियाभर में शारीरिक निष्क्रियता मृत्यु दर के लिए चौथा सबसे बड़ा जोखिम कारक है, जिसके कारण लगभग चार से पांच मिलियन मौतें होती हैं जिन्हें रोका जा सकता है । गैर-संचारी रोगों के लिए जोखिम कारक के रूप में शारीरिक निष्क्रियता केवल धूम्रपान, उच्च रक्तचाप और उच्च बॉडी मास इंडेक्स से अधिक है। गतिहीन जीवनशैली खराब स्वास्थ्य गुणवत्ता, बीमारियों के साथ-साथ मृत्यु के रोके जा सकने वाले कारणों में योगदान करती है। विभिन्न शोध रिपोर्टों में साफतौर पर इंगित किया गया है कि आजकल की भागदौड़भरी और व्यस्त लाइफस्टाइल ने बच्चे से बुजुर्ग तक को समय से पूर्व ही शारीरिक रूप से अपंग करके रख दिया है। यदि हम चेतावनियों के बावजूद नहीं सुधरे तो स्वस्थ जीवन जीना भूलना होगा। देश में 54 प्रतिशत लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में कोई रुचि नहीं है और 10 फीसदी से कम लोग मनोरंजन के तौर पर शारीरिक गतिविधियां करते हैं। आईसीएमआर डेटा में इस बात का खुलासा हुआ है। आजकल आर्थराइटिस जैसी जोड़ों की बीमारियां उम्र तक सीमित नहीं रह गई हैं बल्कि शारीरिक रूप से काम न करना भी इस बीमारी के बोझ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के आंकड़ों बताते हैं कि 54.4 फीसदी लोगों की शारीरिक गतिविधियां करने में रुचि नहीं है। इस सरकारी एजेंसी द्वारा की गई स्टडी के अनुसार लोग यात्रा और मनोरंजन से जुड़ी शारीरिक गतिविधियों के मुकाबले काम में ज्यादा समय बिताते हैं। आलसी जीवनशैली, कसरत न करना या प्रोफेशनल की देखरेख के बिना कसरत करने से युवाओं के जोड़ों के लिगामेंट में दिक्कतें होने लगती हैं।

व्यस्त जीवन शैली के कारण आजकल कमर दर्द एक मुख्य समस्या बनती जा रही है। ज्यादातर मामलों में कमर के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत बहुत ज्यादा बढ़ती जा रही है। इस बारे में कई तरह के शोध किए जा चुके हैं। कई अनुसंधान के बाद यही नतीजे मिलते हैं कसरत या अन्य कोई भी शारीरिक गतिविधि लगातार करते रहने से कमर के निचले हिस्से में होने वाले दर्द (लोअर बैक पैन) को 16 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। यह शोध ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। शोधकताओं ने बताया हैं कि टहलना, कठिन व्यायाम, तथा अन्य शारीरिक गतिविधियों से कमर दर्द को कम किया जा सकता है। शोधकताओं ने 160,000 से अधिक लोगों पर 36 तरह के अलग-अलग अध्ययन किए तथा प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया। विश्लेषण से यह नतीजा सामने आया है कि निरंतर व्यायाम करने से कमर के निचले हिस्से में होने वाले असहनीय दर्द को कम किया जा सकता है। इसके अलावा भी अन्य तरह की शारीरिक गतिविधियां दर्द से राहत दिलाती हैं। वर्तमान दौर में दिन भर एक ही जगह बैठे रहने से इस तरह की बीमारियों का जन्म हुआ हैं।

जैसे जैसे हमारी उम्र बढ़ती है तो हमारे शरीर के काम करने की क्षमता धीमी हो जाती है। बदलती जीवनशैली के चलते दफ्तर में घंटों बैठे रहकर काम करने और फिर घर में निष्क्रिय जीवन जीने से हमारे शरीर में जंग लगने लगा है और हम बीमारियों का आसान शिकार बनते जा रहे हैं। यह स्थिति तब और भी ज्यादा बिगड़ जाती है जब उम्र 25 पार करती है। 40 की उम्र में आते-आते ज्यादातर लोग आजकल बेहद अनफिट हो जाते हैं। ऐसे में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने, ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल के नॉर्मल न रह पाने, हड्डियों के भुरभुरा होने, मसल्स में तकलीफ होने, तनाव, डिप्रेशन, मोटापा आदि जैसी समस्याएं घर करने लगती हैं। डिप्रेशन तनाव, चिंता और उदासी का बहुत बड़ा कारण बनता है, जो जल्द ही आपके जीवन पर असर करना शुरू कर देता है। इससे पहले की यह गंभीर रूप धारण कर लें डिप्रेशन निपटने के उपाय करने चाहिए। अवसाद से निपटने का सबसे प्रभावी और प्राकृतिक तरीका शारीरिक गतिविधि है।

भाजपा को लोकसभा चुनाव हराने का लें संकल्प: मान सिंह पटेल

पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों का हक छीन रही भाजपा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मान सिंह पटेल ने राष्ट्रीय बौद्ध चेतना संस्थान के कार्यक्रम में कहा कि मोदी-योगी सरकार देश के संविधान व लोकतंत्र की हत्या कर रही है। बाबा साहब के संविधान बचाने को दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक समाजएकजुट होकर 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने का संकल्प लेना होगा।

सभा में बोलते मान सिंह पटेल।

मंगलवार को सपा बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मान सिंह पटेल ने राष्ट्रीय बौद्ध चेतना संस्थान के कार्यक्रम में कहा कि केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के बनाये देश के संविधान दलित, पिछड़ा, शोषित, वंचित समाज को सम्मान, बराबरी के साथ जीने का अधिकार देता है। लोकतंत्र जिन्दा रहेगा तो संविधान बचा रहेगा। वोट का अधिकार जो मिला है, उससे सरकारों से अधिकार लेते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कानून व संविधान को नहीं मानती। संविधान व लोकतंत्र को बचाने को भाजपा हराना जरूरी है।

भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। देश में संविधान बचाने को समाजवादी पार्टी सबसे ज्यादा संघर्ष कर रही है। सभी लोग संविधान बचाने का संकल्प ले रहे हैं। संविधान देने वाले व जीने का अधिकार दिलाने वाले महान नेता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया व सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को याद कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा हजारों करोड़ रुपये खर्च कर सपा मुखिया अखिलेश यादव समेत प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओ की छवि खराब कर रही है। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लूट-भ्रष्टाचार चरम पर है।

भाजपा के लोग बड़े-बड़े भ्रष्टाचार में शामिल हैं। प्रदेश में भाजपा के लोग सबसे बड़े भू-माफिया हैं। पूरे प्रदेश में जमीनों की हेराफेरी में सबसे ज्यादा भाजपा के लोग शामिल हैं। ये भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में नौकरियों में बड़े पैमाने पर धांधली हो रही है। पिछड़ों, दलितों को आरक्षण नहीं मिल रहा है। भाजपा पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों (पीडीए) का हक छीन रही है। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पीडीए ही भाजपा के राजग को हरायेगा।इससे पूर्व फतेहपुर नहर कॉलोनी में संविधान जागरूकता समारोह राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में राष्ट्रीय बौद्ध चेतना संस्थान के तत्वावधान में हुआ। बतौर मुख्य अतिथि सपा राष्ट्रीय महासचिव/सदस्य विधान परिषद स्वामी प्रसाद मौर्य, दिल्ली सरकार के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम मौजूद रहे। जिले से समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मान सिंह पटेल सैकड़ों साथियों समेत फतेहपुर पहुंचकर स्वामी प्रसाद मौर्य से भेंट की। बतौर विशिष्ट अतिथि सभा में बोले देश में बैठी भाजपा सरकार से जनता का मोह भंग हो चुका है। देश बदलाव चाहता है, महापुरुषों के विचारों पर चलने की आवश्यकता है।

सीडीओ बोलीः निरीक्षण किया तो नपेंगे एबीएसए

जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

बैठक में निर्देश देती सीडीओ।

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में सीडीओ ने बीएसए लव प्रकाश यादव से कहा कि विद्यालयों में सुविधाओं बाबत शिक्षकों की पूर्ण जिम्मेदारी है, उनके लापरवाही करने पर सुधार करवाया जाए। शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मंगलवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते सीडीओ ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में भ्रमण कर विद्यालयों की व्यवस्था दुरुस्त कराए। किसी विद्यालय का निरीक्षण किया तो कमियां मिलने पर शिक्षकों समेत खंड शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। विद्यालयों की साफ-सफाई, शौचालय, पानी टंकी अच्छे से साफ रहनी चाहिए। विद्यालयों में बच्चों के नाखून कटे होने चाहिए। टास्क फोर्स के निरीक्षण में लगे जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय, तहसील स्तरीय अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक माह लक्ष्य अनुसार निरीक्षण कर विद्यालय के व्यवस्थायें देखें। जिन अधिकारियों ने नवंबर में विद्यालयों का निरीक्षण नहीं किया, वह दो दिन के भीतर कर लें। जो विद्यालयों में कमियां हो, टिप्पणी समेत आख्या दें, ताकि व्यवस्थाओं को सुधारा जा सके। सभी विद्यालयों में मिड-डे-मील मेन्यू अनुसार बच्चों को मिलना चाहिए। जिन बच्चों के आधारकार्ड नहीं बने, विद्यालय वार अभियान चलाकर बनवायें। जिन बच्चों के आधार फीड नहीं हुए, उन्हें भी पोर्टल पर फीड करायें। जिला पंचायत राज अधिकारी कुमार अमरेंद्र से कहा कि जिन विद्यालयों में शौचालय नहीं बने, जर्जर हैं, वहां बनवायें। ऑपरेशन कायाकल्प के कार्यों में तेजी लायें। खंड शिक्षा अधिकारियों से कहा कि ई ग्राम स्वराज पोर्टल खोलकर देखें, क्या कार्य विद्यालयों में हो रहे हैं, कितनी धनराशि मिली है। सीडीओ ने फर्नीचर, पेयजल, हैंड वॉश, रैंप, रेलिंग, विद्युतीकरण, कायाकल्प के 19 पैरामीटर्स, कंपोजिट ग्रांट, कस्तूरबा गांधी विद्यालय संचालन, आईवीआरएस प्रणाली, डाटा फीडिंग, आधार फीडिंग आदि की बिंदुवार समीक्षा की।

बैठक में डीपीआरओ कुमार अमरेंद्र, डीआईओएस संतोष कुमार मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, डीपीओ पीड़ी विश्वकर्मा, बीएसए लव प्रकाश यादव, डीएसओ दिलीप कुमार समेत खंड शिक्षा अधिकारी व एआरपी मौजूद रहे।

मराठा कालीन ऐतिहासिक धरोहर इमारत कौडियों में हुई नीलाम

किसने दे दिया नगर पालिका को इमारत की नीलामी का अधिकार, महज दस से 15 लाख में हुई नीलामी, करोडों का है मलबा-पत्थर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सच कहूं तो बुरा मानते हैं लोग, रो-रो के कहने की मेरी आदत नहीं है- जिले में इन दिनों योगी सरकार के जीरो टालरेंस की नीति के बाद भी अंधी लूट मची है। दूसरी बार नगर पालिका के अध्यक्ष चुने गये नरेन्द्र गुप्ता को शायद दूरदर्शी भविष्य नजर नहीं आ रहा, इसीलिए उन्होंने पुरानी कोतवाली के करोडों रुपये का मलबा महज दस से 15 लाख रुपये में नीलाम होने दिया।

मंगलवार को मराठा कालीन तकरीबन 12 सौ साल पुरानी ऐतिहासिक-पुरातत्विक इमारत पुरानी कोतवाली धुस मैदान पर बुलडोजर गरजता नजर आया। बताया गया कि इस ऐतिहासिक धरोहर की इमारत को मलबा समझकर उसे हटाने की नीलामी कर दी गई है। ये नीलामी पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता के चहेते वार्ड मेम्बर लतीफ उर्फ शहजादे के खास मो इदरीश आदि के पक्ष में हुई है। अब ये सभी एकजुट होकर ऐतिहासिक इमारत पर बुलडोजर चलाकर उसे मलबे में तब्दील कर मलबे को बेंचने में जुटे हैं। मलबा ट्रकों व ट्रैक्टरों में ढोया जा रहा है। मलबा ढोने को जेसीबी व पोकलैण्ड मशीनें लगी हैं। ईओ नगर पालिका लालजी यादव से बात की गई, उनसे पूंछा गया कि ये नीलामी कितने में व किसने ली है, उन्होंने कहा कि फाइल मंगाकर देखनी पडेगी। ये रिपोर्टर 15 मिनट तक बैठा रहा, उन्होंने न फाइल मंगाई न संतोषजनक जवाब दिया। उल्टा कहा कि ये मलबा हटाने का ठेका वह ही ले लें, रिपोर्टर ने कहा कि उसके पास पैसा होता तो वे ठेकेदारी ही करते।

ऐतिहासिक इमारत का मलबा ढोते ट्रक व ट्रैक्टर।

ईओ लालजी यादव ने ये भी कहा कि जिलाधिकारी जल्द मलबा हटवाना चाहते थे, इसलिए डीएम-एसडीएम के समक्ष नीलामी हुई है। मजे की बात ये है कि दूसरी बार अध्यक्ष चुने गये नरेन्द्र गुप्ता को अपना दूरदर्शी भविष्य नजर नहीं आ रहा, ऐसा होता तो वे बाहर से ठेकेदार बुलाकर वाजिब कीमत में मलबा हटाने की नीलामी कराते। खुली बोली में नीलामी का दावा ईओ लालजी यादव कर रहे हैं, जबकि नीलामी की छोटी से छोटी खबरों की जानकारी प्रशासन देता है, इस नीलामी की कोई जानकारी नहीं दी गई। कहते हैं कि पेपरों में नीलामी का टेंडर भी छपवाया था, लेकिन खुली बोली की कोई जानकारी प्रशासन ने नहीं दी। इससे जाहिर है कि ये नीलामी खास को लाभ पहुंचाने को दी गई है।

मजे की बात ये है कि मराठा कालीन इमारत नजूल भूमि पर है। नजूल भूमि की देखरेख का अधिकार तो नगर पालिका, नगर पंचायत व प्राधिकरण को है, लेकिन स्वामित्व का अधिकार नहीं है। ऐसे में करोडों के मलबे की नीलामी किस आधार पर दी गई है, ये सवाल लोगों के जेहन में है। नजूल भूमि का स्वामित्व हासिल करने को जिलाधिकारी से प्रस्ताव बनवाकर शासन को भेजा जाता है, इसके बाद फ्रीहोल्ड होने पर ही स्वामित्व मिलता है। नगर पालिका को भी स्वामित्व चाहिए तो बोर्ड में बैठक कर औपचारिकतायें पूरी करनी पडती है। ये सब कुछ भी नहीं हुआ तो मलबा हटाने का अधिकार नगर पालिका को किसने दे दिया।

ठेकेदार को करोडों का लाभ पहुंचाने को ये ठेका दिया गया है। मराठा कालीन पुरातत्विक धरोहर की इमारत को पुरातत्व विभाग के संरक्षण मे होना चाहिए, ऐसा न कर प्रशासन ने पुरातत्व महत्व की इमारत को खुर्द-बुर्द करा दिया। ऐतिहासिक इमारत को ध्वस्त कर मलबा बेंचा जा रहा है। जिस इमारत को प्रशासन को पुरातत्व विभाग सौंपना चाहिए, उसे नगर पालिका को सौंपने का क्या औचित्य है। ऐतिहासिक इमारत की दीवारें छह फुट या दो या ढाई फिट की लाखौरी ईंटों से बनी हैं।

इसमें नक्कशीदार पत्थरों की भरमार है। ऐसे नक्काशीदार पत्थरों को तोडकर ढोका बनाये जा रहे हैं। ये ढोका भी प्रति ढोका 17 रुपये के हिसाब से बेंचे जा रहे हैं। ऐसे में पुरानी कोतवाली के नक्कशीदार पत्थरों के ढोके ही तकरीबन पचास लाख रुपये के निकलेंगे। मलबा का पैसा अलग से वसूला जा रहा है। हद तो तब हो गई, जब इस धरोहर की इमारत को तोडे जाने का नगरवासियों ने विरोध तक नहीं जताया। इसे कहते हैं- मुर्दों की बस्ती में प्रतिरोध कैसा?

विकास कार्यों में धांधली-टैक्स चोरी से सप्लायर बना करोड़ों का मालिक

प्रधान-सचिव अधिकारियों की मिलीभगत से बनाई अकूत संपत्ति

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। रामनगर ब्लाक के बरिया गांव के लवलेश कुमार मिश्रा पुत्र रमेश चन्द्र मिश्रा ने गांवों के विकास कार्यों में सामग्री सप्लाई के नाम पर टैक्स चोरी कर करोड़ों रुपये की सम्पत्ति बना ली है। कुछ वर्षों में अकूत संपत्ति के मालिक बन गये हैं।

मंगलवार को रामनगर ब्लाक के गांवों में ठेकेदारी/सामग्री सप्लाई में करोडों रुपये की सम्पत्ति बनाने का खुलासा हुआ। बताया गया कि ठेकेदारी का ककहरा सीखने के बाद लवलेश मिश्रा ने जिले के पांचों ब्लाकों में सामग्री सप्लाई टैक्स चोरी कर की है। प्रधान-सचिव व जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से कमीशनखोरी के चलते अकूत सम्पत्ति बनाई है।

रामनगर ब्लाक के सुहेल, पिपरौद, कटैया खादर, ढढवार, हन्ना बिनैका, अमवा व सिकरी समेत कई गांवों में सामग्री सप्लाई के नाम पर लूट की है। कर्वी ब्लाक के शिवरामपुर, रसिन समेत अन्य गांवों में विकास कार्यों के नाम पर बड़ी धांधली कर डब्ल्यूबीएम रोड़ निर्माण घोटाला सुर्खियों में रहा है। पहाड़ी ब्लाक में बरद्वारा, चांदी, वीरधुमाई, चिल्लीमल समेत कई गांवों में विकास कार्यों के नाम पर धांधली हुई है। मानिकपुर ब्लाक के चंद्रामारा में डब्ल्यूबीएम रोड़ निर्माण में घाटाला चर्चित रहा है। मऊ ब्लाक के कोटवामाफी, सिकरौं व औंझर समेत कई गांवों में सामग्री सप्लाई में सरकारी धन का बंदरबाट हुआ है।

सप्लायर लवलेश मिश्रा।

वर्ष 2013/14 से ठेकेदारी/सप्लायर बनकर लवलेश मिश्रा ने लवलेश ट्रेडर्स, मां शारदा ट्रेडर्स, मां ट्रेडर्स, रजत इण्टर प्राइजेज, मृदुल ट्रेडर्स व केसी ट्रेडर्स समेत कई फर्मों के नाम पर सप्लाई करता था। खुद ही निर्माण कार्य करवाता था। निर्माण कार्यों में इंटरलॉकिंग खड़ंजा, विद्यालयों का कायाकल्प, पुलिया निर्माण, डब्ल्यूबीएम रोड़, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कार्य समेत अन्य कार्यों में सरकारी धन को ठिकाने लगाने का काम किया है। टैक्स चोरी कर करोड़ों रुपए की अकूत संपत्ति बनाई है। कभी सेकंड हैंड मोटरबाइक से ठेकेदारी करने वाले लवलेश कुमार मिश्रा कुछ वर्षों में स्कार्पियो, बोलेरो, क्रेटा व एक्सप्रोसे चारपहिया वाहन का मालिक बन गया।

मोटरबाइक व अन्य कई लग्जरी सामान समेत जमीन/प्लाट खरीदे हैं। बरिया, लौदरा व उफरौली में जमीन खरीदी है। लालता रोड़ में प्लाट, राजापुर में प्लाट, बलदाऊगंज कर्वी में पिता रमेश चन्द्र मिश्रा के नाम करोड़ों का मकान, रामघाट में प्लाट, बनकट में एक बीघे जमीन, मऊ में दो-तीन प्लाट समेत प्रयागराज में करोड़ों रुपए की लागत से मकान अपने भाई अखिलेश कुमार मिश्रा के नाम पर खरीदा है। प्रयागराज जिले के बेरांवा गांव के भगवती प्रसाद मिश्रा पुत्र द्वारिका प्रसाद मिश्रा नब्बे के दशक में जिले के रामनगर ब्लाक के बरिया गांव के निवासी बने थे, जिनके पास रहने को सिर्फ घर था। बरिया प्रधान गया प्रसाद कोटार्य व लेखपाल ब्रम्हा प्रसाद त्रिपाठी ने भूमिहीन भगवती प्रसाद मिश्रा के नाम खेती योग्य पट्टा किया था। भगवती प्रसाद मिश्रा समेत रमेश चन्द्र मिश्रा पुत्र भगवती प्रसाद मिश्रा, प्रेमा देवी पत्नी रमेश चन्द्र मिश्रा, लवलेश कुमार मिश्रा पुत्र रमेश चन्द्र मिश्रा, अखिलेश कुमार मिश्रा पुत्र रमेश चन्द्र मिश्रा व शोभा देवी मिश्रा पुत्री रमेश चन्द्र मिश्रा रहते थे, किसी तरह गुजर बसर करते थे।

एसडीएम मऊ-सीओ ने सड़कों से हटाया अतिक्रमण

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। नगर पंचायत मऊ के मुख्य चैराहे पर आए दिन लगने वाले जाम से लोगों को निजात दिलाने को एसडीएम राकेश पाठक ने पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। मंगलवार को बस स्टैण्ड मऊ में जाम लगने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। प्रशासन ने अतिक्रमण से हो रही परेशानी को देखते हुए अतिक्रमण हटाया। प्रशासन की कार्रवाई से मऊ की सड़कों-पटरियों से अतिक्रमण हटाया गया।

प्रशासन ने व्यापारी बंधुओ को अतिक्रमण के बारे में समझाया, अतिक्रमण से लोगों को परेशानियां होती हैं। व्यापारी बंधुओ से अपील की कि सड़कों पर दुबारा अतिक्रमण न करें। अन्यथा करवाई की जायेगी। इस मौके पर मऊ एसडीएम राकेश कुमार पाठक, सीओ मऊ जयकरन सिंह, नायब तहसीलदार विवेक कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर मऊ अभय राज सिंह, मऊ कस्बा इंचार्ज एसआई इंद्रजीत गौतम व नगर पंचायत मऊ के कर्मचारी मौजूद रहे।

यह फोटो 28 सीकेटी पांच में है।

मऊ सीओ ने पैदल गश्त कर लोगों को दिया सुरक्षा का भरोसा

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। क्षेत्राधिकारी मऊ जयकरन सिंह की अगुवाई में क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर थाना मऊ पुलिस ने पैदल गश्त कर आमजनता से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

मंगलवार को सीओ मऊ जयकरन सिंह की अगुवाई में मऊ कस्बे में पैदल गश्त कर दुकानदारों, व्यापारी बंधुओं, क्षेत्रीय नागरिको से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिया। पैदल गश्त दौरान पुलिस टीम ने सरकारी शराब दुकानों की जांच की। दो व चारपहिया वाहनों की भी जांच हुई। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पैदल गश्त में लोगों से संवाद को बेहतर किया जा रहा है। उन्होंने लोगों को सुरक्षा का भरोसा देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर थाने में सूचना दें। बताया कि अराजक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अपराधियों पर नकेल कसने का काम किया जा रहा है।

पैदल गश्त करती पुलिस।

लोग अफवाहों पर ध्यान न दें, किसी प्रकार की अफवाह फैलाने वाले के बारे में थाना मऊ पुलिस को सूचित करें। तुरंत कार्यवाई की जायेगी। लोगों से क्षेत्राधिकारी मऊ जयकरन सिंह ने कहा कि कोई भी व्यक्ति समस्या के लिए उनसे संपर्क कर सकता है। उन्होंने लोगों से हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाने की अपील की। इस दौरान क्राइम इंस्पेक्टर अभयराज प्रताप, दरोगा कृपानंदन शर्मा, दरोगा इंद्रजीत गौतम समेत भारी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा।

पुत्र लापता, मां ने लगाई एसपी से गुहार

चित्रकूट। राजापुर थाने के भंभेट कालोनी की सुखनिया पत्नी कल्लू ने पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में कहा कि वह अनुसूचित जाति की गरीब महिला है। मजदूरी करती है, उसका बडा पुत्र अजय महाराष्ट्र के होटल कनक में काम करता है। 22 नवम्बर को महाराष्ट्र से ट्रेन से घर लौटते समय सतना तक उससे बात होती रही, भंभेट के रहने वाले अमरकंठ पुत्र देवपाल, बुद्धी पुत्र छेदी, जीतू पुत्र उदयभान, छेद्दा पुत्र माताबदल से पहले लडाई हुई थी, तब से ये दुश्मनी मानने लगे हैं। उसके पुत्र को अगवा कर लिया गया है। मंगलवार को पीडिता सुखनिया पत्नी कल्लू ने पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में कहा कि दुश्मनी के चलते उक्त लोगों ने फोन पर उसकी बात पुत्र से होते सुन लिया था। पुत्र के महाराष्ट्र से लौटते समय ये लोग दोपहिया गाडी से सतना गये। पुत्र का फोन नम्बर इन्होंने मालूम कर लिया था। पुत्र को ये सभी लोग अगवाकर ले गये और मारने-पीटने लगे। मारने-पीटने का फोटो छोटे पुत्र संजय के मोबाइल में भेजा। पीडिता ने आशंका जताई कि उक्त लोगों ने उसके पुत्र को गायब कर दिया है।

ग्वाटेमाला में सदगुरू नेत्र चिकित्सालय का नाम किया रोशन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारत के ग्वाटेमाला दूतावास ने आई फाउंडेशन ऑफ अमेरिका, हॉस्पिटल प्राइवेडो व कोंजुवे ग्वाटेमाला के सहयोग से प्रख्यात नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ राकेश शाक्या (सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय) और डॉ वीके राजू की अगुवाई में नेत्र शिविर हुए। नेत्र शिविर में पेटेन व आसपास इलाकों के रोगियों को जरूरी कैटरैक्ट आई सर्जरी सुविधा दी थी।

अप्रैल 2023 में दूतावास के प्रारंभिक नेत्र शिविर में भाग लिया था। शिविर में चार सौ रोगियों का नेत्र मूल्यांकन किया था, ताकि उन्हें आगे की चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकता पता चल सके। पेटेन में नेत्र शिविर दौरान महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। शिविर में अधिक संख्या में रोगियों को जीवन में बदलाव लाने वाली सदगुरू पद्धति से नेत्र सर्जरी हुई। उन्होंने वहां आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेकर अनुभव साझा किये।

नेत्र रोगियों की सर्जरी से प्रभावित भारत के ग्वाटेमाला दूतावास ने नेत्र चिकित्सक डॉ राकेश शाक्या को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के कार्यों की सराहना कर कहा कि अंधत्व को मिटाना है, सद्गुरु में आना है। यहां एक साल में तीन लाख लोगों की ऑपरेशन होता है।

सम्मानित होते डॉ शाक्य।

अधिकारियों ने निमार्णाधीन फायर स्टेशन देखे

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी बांदा मुकेश कुमार व सीओ लाइन/कार्यालय राज कमल ने निमार्णाधीन फायर स्टेशन राजापुर व मानिकपुर का निरीक्षण किया। मंगलवार को निमार्णाधीन आवासीय इमारत में बिजली, पानी एवं अन्य व्यवस्थायें देखी। कार्यदायी संस्था के ठोकेदार को निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिये। अधिकारियों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करें। निरीक्षण में प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा, एफएसओ सतीश कुमार व अन्य अधिकारी शामिल रहे।

पुलिस टीमों ने बैंक परिसर से संदिग्धों को भगाया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी की देखरेख में प्रभारी निरीक्षक की अगुवाई में पुलिस टीमों ने थाना क्षेत्र के बैंक/वित्तीय संस्थानों की जांच की।

मंगलवार को बैंकों की जांच दौरान बैंक सुरक्षा रजिस्टर देखा। ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को सुरक्षा बाबत निर्देश दिये। सतर्कता से ड्यूटी करने को चेताया। बैंक में लगे अलार्म/सायरन, सीसीटीवी कैमरों को देखा। जिन बैंकों में कैमरे काम नहीं कर रहे थे या शाखा प्रबंधक लापरवाही बरत रहे थे, उनसे सुरक्षा बाबत चर्चा की गई। बैंक परिसर में संदिग्ध लोगों की जांच की गई। अनावश्यक बैठे लोगों को बैक परिसर से बाहर किया गया।

बैंकों में जांच करती पुलिस।

नेपाल : लुम्बिनी के बुद्ध मंदिर में डेढ़ टन वजन का घंटा लगाया गया

काठमांडू

भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी के बुद्ध मंदिर में 1500 किलो अर्थात डेढ़ टन वजन का घंटा लगाया गया है। दक्षिण कोरिया के तीर्थयात्रियों के इस घंटे का मंगलवार को उद्घाटन किया गया।

नेपाल सरकार के संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री सुदन किरांती ने लुम्बिनी में आयोजित एक समारोह के बीच इस घंटा का उद्घाटन किया। कोरिया के बौद्ध धर्मगुरु और बौद्ध भिक्षुओं और उपासिकाओं की उपस्थिति रही।इस घंटे का नाम ह्यशान्ति घंटाह्व रखा गया है। उद्घाटन समारोह में संस्कृति मंत्री ने कहा कि इस घंटे की आवाज से शांति का संदेश जाएगा। इस विशाल घंटे का निर्माण कर दान देने के लिए मंत्री किरांती ने कोरियाई धर्मगुरुओं और बौद्ध भिक्षुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमेरिका के विदेशमंत्री ब्लिंकन इस सप्ताहांत करेंगे इजराइल की यात्रा

वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इस सप्ताहांत इजराइल की यात्रा पर तेल अवीव पहुंचेंगे। उनकी इस यात्रा का मकसद गाजा में संघर्ष विराम की अवधि को आगे बढ़वाने के प्रयासों के तहत देखा जा रहा है। यह जानकारी इजराइल के प्रमुख अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल ने दी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर आक्रमण के बाद इस क्षेत्र की उनकी तीसरी यात्रा होगी। ब्लिंकन सोमवार को अमेरिका से ब्रुलेल्स के लिए रवाना हुए हैं। वह मंगलवार और बुधवार को ब्रुसेल्स और स्कोप्जे, उत्तरी मैसेडोनिया में यूक्रेन-केंद्रित बैठकों में भाग लेने के बाद इजराइल और वेस्ट बैंक की यात्रा करेंगे। यहां नाटो और यूरोप में शांति और सुरक्षा संगठन के विदेश मंत्री एकत्र हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इजराइल और हमास के बीच सोमवार को खत्म होने वाला चार दिवसीय संघर्ष विराम समझौता दो दिनों के लिए बढ़ गया है। संघर्ष विराम के दौरान हमास 50 इजराइली बंधकों के अलावा 18 विदेशी नागरिकों और एक रूसी-इजराइल नागरिक को रिहा कर चुका है। इस अवधि में इजराइल ने 150 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। अखबार के अनुसार, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि संघर्ष विराम को और बढ़ाया जाएगा।

तीन देशों में आज तड़के भूकंप के झटकों से सहमे लोग

इस्लामाबाद/बीजिंग/पोर्ट मोरेस्बी

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन के अलावा पापुआ न्यू गिनी में आज (मंगलवार) तड़के आए भूकंप से लोग सहम गए। तीनों देशों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, पापुआ न्यू गिनी के उत्तरी तट पर 6.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। ये भूकंप के झटके तट से लगभग 20 किलोमीटर (12 मील) दूर प्रशांत द्वीप के पूर्वी सेपिक प्रांत की राजधानी वेवाक शहर से थोड़ी दूरी पर महसूस किए गए।

इसके अलावा पाकिस्तान और चीन भी भूकंप के तेज झटकों से हिल गए। चीन के जिजांग में 5.0 तीव्रता पाकिस्तान में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए। फिलहाल तीनों देशों से किसी भी तरह की जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

हाल के दिनों में भारत के एक और पड़ोसी देश नेपाल में भूकंप से भारी तबाही हो चुकी है। कम से कम 157 लोग मारे गए। भारत सरकार ने नेपाल को काफी मदद की और राहत सामग्री भेजी थी। इसके अलावा बड़ी संख्या में गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज भारत में किया गया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

खालिस्तानी समर्थकों ने अमेरिका के गुरुद्वारे में किया भारतीय दूत के साथ दुर्व्यवहार, मचा हड़कंप

न्यूयॉर्क. अमेरिका स्थित एक सिख संगठन सिख फॉर अमेरिका ने खालिस्तानियों की गलत हरकत की कड़ी निंदा की है. खालिस्तानियों ने न्यूयॉर्क में एक गुरुद्वारे की यात्रा के दौरान अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ दुर्व्यवहार किया था. इसके बाद से हड़कंप मचा हुआ है. सिख फॉर अमेरिका ने कहा है कि गुरुद्वारा प्रबंधन को दुर्व्यवहार करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना चाहिए ताकि श्रद्धालु बिना किसी डर या दबाव के प्रार्थना कर सकें.

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के सिखों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि गुरुद्वारों को व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त होना चाहिए क्योंकि वे पूजा स्थल हैं. संधू रविवार (स्थानीय समय) पर लॉन्ग आइलैंड के हिक्सविले गुरुद्वारे में गुरुपर्व प्रार्थना में शामिल हुए थे. पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि गुरुद्वारे में तरनजीत सिंह संधू का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था. वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के वीडियो के अनुसार, खालिस्तानी समर्थकों के एक समूह ने तरनजीत सिंह संधू को घेर लिया और खालिस्तानी आतंकवादियों हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू के बारे में सवाल पूछे.

राजदूत संधू गुरुद्वारा साहिब में प्रार्थना करने आए थे

इस बीच अध्यक्ष कंवलजीत सिंह सोनी ने बयान में कहा, राजदूत संधू गुरुद्वारा साहिब में प्रार्थना करने गए और गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधन ने उन्हें सरोपा साहिब से सम्मानित किया. उसके बाद मुट्ठी भर उपद्रवियों ने उनका अपमान करने की कोशिश की और गुरुद्वारा साहिब की शांति और पवित्रता को भंग किया. बयान में कहा गया है कि गुरुद्वारे पूजा स्थल हैं और उन्हें व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त होना चाहिए।

सिख समुदाय ने की भारत के राजदूत के अपमान की कड़ी निंदा

बाद में सिख समुदाय के सदस्यों द्वारा खालिस्तानी समर्थकों को हिक्सविले गुरुद्वारे से बाहर निकाला गया. इसमें कहा गया, हम कल (रविवार) न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के एक गुरुद्वारे में एक सिख, अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के अपमान की कड़ी निंदा करते हैं. यह घटना 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि के बीच हुई. कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारतीय संलिप्तता का आरोप लगाए जाने के बाद हत्या के कारण दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद पैदा हो गया था. इसके बाद नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका बताते हुए दृढ़ता से इनकार किया है.

स्कॉटलैंड में भी हो चुकी है ऐसी घटना, राजनयिकों की सुरक्षा पर गंभीर है भारत

सितंबर में इसी तरह की एक घटना में, ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कट्टरपंथी ब्रिटिश सिख कार्यकर्ताओं के एक समूह ने एक गुरुद्वारे में प्रवेश से वंचित कर दिया था और उनके साथ दुर्व्यवहार किया था. विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अपने राजनयिकों की सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी और इस मामले को अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ उठाया था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने का आान किया था।

दक्षिण अफ्रीका की प्लेटिनम खदान में दर्दनाक हादसा, लिफ्ट गिरने से 11 मजदूरों की मौत, 75 घायल

जोहानिसबर्ग. दक्षिण अफ्रीकी में प्लेटिनम की एक खदान में मजदूरों को नीचे उतारने के दौरान एक लिफ्ट अचानक से गिर गई जिससे 11 लोगों की मृत्यु हो गई और 75 घायल हो गए. खदान संचालक ने मंगलवार को यह जानकारी दी. घटना उत्तरी शहर रस्टनबर्ग की एक खदान में सोमवार शाम को घटी. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एक बयान में कहा गया कि कन्वेंस काउंटरवेट के जैक कैच में फंस जाने के कारण इसका तेजी से नीचे आना रुक गया.

इंपाला प्लेटिनम होल्डिंग्स (इम्प्लांट्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निको मुलर ने एक बयान में कहा कि यह उनकी कंपनी के इतिहास का सबसे भयावह दिन है. उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू हो गई है. दक्षिण अफ्रीका प्लेटिनम का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

इम्पाला प्लैटिनम ने कहा कि ह्यगंभीर दुर्घटनाह्व सोमवार को दोपहर में जोहान्सबर्ग के उत्तर-पश्चिम में रस्टेनबर्ग में उसकी खदान में हुई, जब कर्मचारी अपनी शिफ्ट के अंत में एक शाफ्ट से बाहर निकल रहे थे.

हम सहकर्मियों की मौत से गहरे सदमे और दुख में...

इम्पाला प्लैटिनम (इम्प्लाट्स) के सीईओ, निको मुलर ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ह्यइस विनाशकारी दुर्घटना में खोए गए लोगों और प्रभावित व्यक्तियों के लिए हमारा दिल भारी है. हम अपने सहकर्मियों की मौत से गहरे सदमे और दुख में हैं और यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में हैं कि सभी निकटतम रिश्तेदारों से संपर्क किया जा सके.

घायलों को नजदीकी अस?पतालों में भर्ती कराया गया, कुछ की हालत गंभीर

कंपनी ने कहा कि 75 कर्मचारी घायल हो गए और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में स्थानांतरित कर इलाज के लिए भर्ती कराया गया. इम्प्लाट्स के प्रवक्ता जोहान थेरॉन ने एएफपी समाचार एजेंसी को बताया कि कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. अधिकांश को टखने और पैर में फ्रैक्चर हुआ, और अन्य को मामूली खरोंच आई है. कंपनी के अनुसार, यह दुर्घटना सोमवार को शाम 5 बजे (15:00 ऋटळ) से कुछ देर पहले हुई, जब लिफ्ट उठाने वाले कर्मचारी अप्रत्याशित रूप से नीचे उतरने लगे।

नेपाल में राजतंत्र की वापसी असंभव, हिन्दू राष्ट्र बनाने पर चर्चा जरूरी: शेरबहादुर देउवा

काठमांडू

नेपाल में राजतंत्र पुनर्बहाली को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच सबसे बड़े राजनीतिक दल ने प्रतिक्रिया दी है। सत्तारूढ़ गठबन्धन के सबसे बड़े दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा ने कहा है कि राजतंत्र की पुनर्बहाली असंभव है। हालांकि उन्होंने धर्मनिरपेक्षता पर पुनर्विचार किए जाने की जरूरत पर बल दिया। देउवा ने यह प्रतिक्रिया नवलपुर में नेपाली कांग्रेस पार्टी के एक कार्यक्रम में दी। देउवा ने कहा कि नेपाल अब लोकतंत्र और गणतंत्र के रास्ते से पीछे नहीं हट सकता है। कुछ लोगों के हल्ला करने से राजतंत्र की पुनर्बहाली नहीं हो सकती है। 21 वीं शताब्दी में राजतंत्र की बात करना बेमानी है। पूर्व प्रधानमंत्री ने यह जरूर कहा कि धर्मनिरपेक्षता पर जरूर बहस कराई जा सकती है। यह देश की आमजनता की भावना से जुड़ा विषय है। नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाने पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दू राष्ट्र और राजतंत्र को एक साथ जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

सिख ऑफ अमेरिका संस्था ने की भारत के राजदूत संधू के साथ धक्का-मुक्की की निंदा

वाशिंगटन,

अमेरिका की प्रमुख सिख संस्था 'सिख ऑफ अमेरिका' ने भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ न्यूयॉर्क के गुरुद्वारे में धक्का-मुक्की किए जाने की निंदा की है। संस्था ने गुरुद्वारा प्रबंधन से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। 'सिख ऑफ अमेरिका' के संस्थापक जसदीप सिंह जस्सी और अध्यक्ष कंवलजीत सिंह सोनी ने सोमवार को यहां जारी संयुक्त बयान में कहा कि गुरुद्वारा पूजा स्थल होते हैं। लोगों को यहां आकर व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों को दूर रखना चाहिए। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधन को इन उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे न्यूयॉर्क में शांतिप्रिय सिख समुदाय बिना किसी डर या दबाव के कभी भी गुरुद्वारों में आ-जा सकें। उन्होंने कहा, 'राजदूत संधू गुरुद्वारा साहिब में अरदास करने गए थे और वहां के प्रबंधन ने उन्हें सिरोपा साहिब से सम्मानित किया। उसके बाद कुछ उपद्रवियों ने उनका अनादर करने की कोशिश की और गुरुद्वारा साहिब की शांति एवं पवित्रता को भंग किया।

लेस्बोस द्वीप में मालवाहक जहाज डूबा, चार भारतीयों समेत 14 लोग लापता

एथेंस

लेस्बोस द्वीप के पास तूफानी हवाओं के कारण एक मालवाहक जहाज डूब गया। जहाज में सवार चार भारतीयों समेत 14 लोग लापता हैं। एक ग्रीक तट रक्षक ने रविवार को कहा कि लापता लोगों के लिए बड़ा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक नौसेना के एक हेलीकॉप्टर ने चालक दल के एक सदस्य का रेस्क्यू किया है। पांच मालवाहक जहाज, तीन तट रक्षक जहाज, वायुसेना और नौसेना के हेलीकॉप्टर और साथ ही एक नौसेना फ्रिगेट बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अंतरिक्ष यात्रा में एस्ट्रोनॉट के शरीर का यह अंग क्यों हो जाता है अलग स्टडी में सामने आया डराने वाला सच

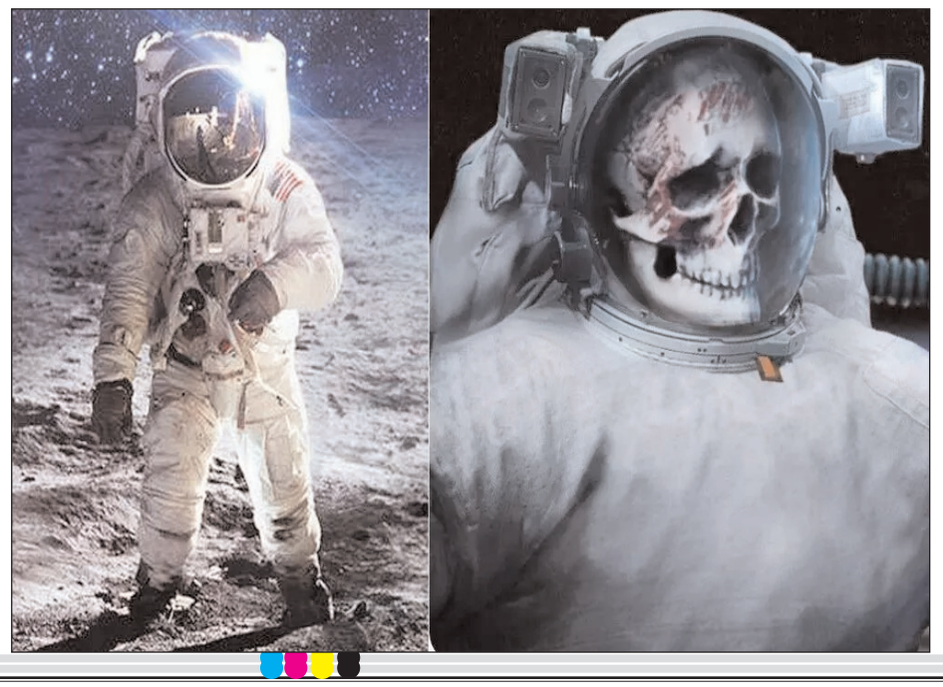

नई दिल्ली. बीते एक दशक में अंतरिक्ष यात्रा का क्रेज दुनिया भर में काफी बढ़ा है. उद्योगपति एलोन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स लोगों को सैर सपाटे के लिए अंतरिक्ष में घुमाने की दिशा में काम कर रही है. क्या आपको पता है कि अंतरिक्ष यात्रा के केवल फायदे ही नहीं बल्कि कुछ नुकसान भी हैं. अंतरिक्ष यात्रा कर चुके एस्ट्रोनॉट से बातचीत के दौरान पता चला कि अंतरिक्ष में रहने का असर हाथ की ऊंगलियों पर काफी अधिक पड़ता है. अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा अनुभव की गई एक विशेष रूप से परेशान करने वाली घटना ओनिकोलिसिस है, जहां अंतरिक्ष में अतिरिक्त वाहन गतिविधियों के बाद नाखून अलग हो जाते हैं. पृथ्वी के परिचित वातावरण से रहित अंतरिक्ष स्थितियां, कई शारीरिक चुनौतियां पेश करती हैं. ओनिकोलिसिस, नाखूनों का अलग होना, अंतरिक्ष यात्रा का एक अप्रत्याशित परिणाम है. स्थिति, जिसे ओनिकोलिसिस कहा जाता है, वायुमंडलीय दबाव और स्पेससूट डिजाइन से संबंधित एक जटिल समस्या साबित हुई है. अंतरिक्ष में न्यूनतम परिवेशी

दबाव के कारण ईवीए के दौरान सुरक्षा के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेससूट पर दबाव डालना आवश्यक हो जाता है. हालांकि यह हाथों के लिए एक चुनौती पैदा करता है, जिससे सामान्य चोटें और ओनिकोलिसिस होता है.

दर्द, मांसपेशियों में थकान से दो-चार होते हैं अंतरिक्ष यात्री

साइंस अलर्ट की रिपोर्ट के अनुसार, जीवित रहने के लिए आवश्यक दबावयुक्त दस्ताने गति को बाधित करते हैं, जिससे दर्द, मांसपेशियों में थकान और यहां तक कि गंभीर चोटें भी आती हैं. अध्ययनों से पता चलता है कि स्पेससूट डिजाइन में प्रगति के बावजूद ईवीए के दौरान ओनिकोलिसिस सहित हाथ की चोटें लगातार होती रहती हैं. दस्ताने के मॉडल या मिशन की विशिष्टताओं के बावजूद, अंतरिक्ष यात्रियों को अक्सर अपनी अतिरिक्त वाहन संबंधी गतिविधियों के दौरान हाथ से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है. 2010 में अंतरिक्ष यात्रियों के 232 हाथ की चोटों के बारे में एक अध्ययन में, जोड़ की चौड़ाई और चोट के जोखिम के बीच एक संबंध पाया गया था.

महिलाओं में ओनिकोलिसिस की दिक्कत अधिक

इंजीनियर क्रिस्टोफर रीड ने अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा रिपोर्ट की गई 31 ओनिकोलिसिस चोटों की जांच करने वाले एक अध्ययन का नेतृत्व किया, जिससे नई इंसाइट (अंतर्दृष्टि) प्राप्त हुई. शोध ने दस्ताने के डिजाइन को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में पहचाना, जिसमें से एक प्रकार में नाखूनों के नुकसान का 8.5 गुना अधिक जोखिम होता है. दस्तानों के आकार और लंबाई से प्रभावित मध्य उंगली की चोटें प्रमुख थीं, और पुरुषों की तुलना में महिलाओं में ओनिकोलिसिस की संभावना अधिक थी।